मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 30 मई 2025

संवत 2082, ज्येष्ठ शुक्ल-3 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 265 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ गुरु अर्जन देव के विचारों में जीवन-दर्शन की झलक

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में फिर खरीदी 40 करोड़ की जमीन ◀◀ 6

मुख्यमंत्री ने पूरे परिवार के साथ किए केदारनाथ के दर्शन

निजी दौरे में वो उत्तराखंड के दर्शनीय स्थलों का करेंगे दौरा

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने परिवार के साथ उत्तराखंड के दौरे पर है। गुरूवार को पत्नी और बच्चों के साथ वो रांची से रवाना हुए। अपने निजी दौरे में वो उत्तराखंड के दर्शनीय स्थलों का दौरा करेंगे। हेमंत सोरेन भगवान शिव के बड़े भक्त है। अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ वो पिछले एक साल अलग-अलग मंदिरों में दर्शन करते हुए नजर आए है।

जमीन घोटाला मामले में जेल से छूटने के बाद हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ वाराणसी के बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री पद फिर से संभालने के बाद वो देवघर और बाबा बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मुख्यमंत्री समय-समय पर अपनी शिव भक्ति जाहिर करते रहते है। भगवान शिव के प्रति उनकी आस्था और भक्ति की झलक इस समय भी दिखाई दे रही है जब वो अपने पत्नी और बच्चों के साथ केदारनाथ धाम दर्शन करने पहुंचे।

अंकिता भंडारी हत्याकांड पर आया फैसला

कोर्ट ने तीनों आरोपी दिया दोषी करार

> इस सनसनीखेज मामले की जांच के दौरान एसआईटी (विशेष जांच दल) ने अदालत में 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें कुल 97 गवाहों को नामित किया गया था। अभियोजन पक्ष ने इनमें से 47 गवाहों को अदालत के समक्ष पेश किया।

कोटद्वार : अंकिता भंडारी हत्याकांड में आज कोटद्वार की अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है। अदालत ने मुख्य आरोपी पुलकित आर्य और उसके दो साथियों, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता, को अंकिता की हत्या का दोषी ठहराया है। हालांकि, तीनों आरोपियों की सजा का ऐलान अभी बाकी है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करने वाली अंकिता भंडारी की हत्या 18 सितंबर 2022 को हुई थी।

इस सनसनीखेज मामले की जांच के दौरान एसआईटी (विशेष जांच दल) ने अदालत में 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें कुल 97 गवाहों को नामित किया गया था। अभियोजन पक्ष ने इनमें से 47 गवाहों को अदालत के समक्ष पेश किया।

श्रीनगर गढ़वाल की रहने वाली अंकिता भंडारी ऋषिकेश के निकट वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थीं। 18 सितंबर 2022 को उनकी हत्या कर दी गई थी और उनका शव चीला नहर में फेंक दिया गया था। एसआईटी द्वारा कोर्ट में दाखिल चार्जशीट के अनुसार, पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता, के साथ मिलकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया था।

इस मामले की सुनवाई दो साल और आठ महीने तक चली। इस दौरान अभियोजन पक्ष ने विवेचना अधिकारी सहित कुल 47 गवाह पेश किए। जांच में सामने आया था कि अंकिता का पुलकित आर्य से विवाद हो गया था, जिसके बाद पुलकित ने सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता के साथ मिलकर अंकिता को ऋषिकेश की चीला नहर में कथित तौर पर धक्का दे दिया था।

अंकिता का शव नहर से बरामद होने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलकित आर्य, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन नेता विनोद आर्य का बेटा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पार्टी ने विनोद आर्य को तुरंत पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला था, जिसके बाद राज्य सरकार को लोगों को शांत करने और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल का गठन करना पड़ा था। सरकार ने आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का भी वादा किया था।

खुली गाड़ी पर सवार होकर मंच तक पहुंचे पीएम मोदी, बिक्रमगंज से प्रदेश को दी 48,520 करोड़ रुपये की सौगात

आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचलने का काम करेगा

बिक्रमगंज : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय बिहार दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को रोहतास जिले के बिक्रमगंज पहुंचे। यहां उन्होंने 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इससे पहले पीएम मोदी खुली गाड़ी पर सवार होकर लोगों के बीच से गुजरते हुए मंच तक पहुंचे। गाड़ी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी उपस्थित रहे। इस दौरान पीएम मोदी पर पुष्प की वर्षा होती रही और उपस्थित लोग मोदी जिंदाबाद के नारों और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े नारे लगाते रहे। पीएम मोदी भी लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते रहे। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए औरंगाबाद जिले में 29,930 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, चरण-।।(3800 मेगावाट) की आधारशिला रखी। इस योजना का उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पीएम मोदी ने क्षेत्र में सड़क अवसंरचना और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एनएच-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन का बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग (एनएच-319बी) और रामनगर-कच्ची दरगाह खंड (एनएच-119डी) को छह लेन का बनाने और बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री ने करीब 5,520 करोड़ रुपये लागत वाले एनएच-22 के पटना-गया-डोभी खंड के चार लेन के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इसके अलावा एनएच-27 पर गोपालगंज शहर में एलिवेटेड हाईवे के चार लेन के निर्माण और ग्रेड सुधार का भी उद्घाटन किया।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में रेल अवसंरचना में सुधार लाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप अन्य परियोजनाओं के अलावा 1,330 करोड़ रुपये की लागत वाली सोन नगर-मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की। इसके अलावा भी कई परियोजनाओं की सौगात पीएम मोदी ने बिहार को दी। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई केंद्रीय मंत्री और बिहार के मंत्री उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्रः अपने भाषण के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने सासाराम की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि, सासाराम,जिसके नाम में ही राम है। श्रीराम की रीत है- प्राण जाए पर वचन ना जाए। इस रीति को हमने नीति बनाया और एक बार जो वचन ले लिया, उसे पूरा करके ही रहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया और कहा कि, पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले में निर्दोष नागरिक मारे गए। पहलगाम हमले के बाद मैं बिहार आया था। बिहार की धरती से हमने ऐलान किया था कि, आतंकियों के आकाओं को बिहार की धरती से मिट्टी में मिलाने का ऐलान किया था। उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा देने की बात कही थी। आज जब वापस बिहार आया हूं तो अपना वचन पूरा करने के बाद आया हूं।

भारत की ताकत को पूरी दुनिया ने देखा : पीएम मोदी ने सासाराम में मंच से गरजते हुए यह भी कहा कि, यह नया भारत है और यह नए भारत की शक्ति है। जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। उनके ठिकानों को हमारी सेना ने खंडहर में बदल दिया। भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति को पाकिस्तान और दुनिया ने भी देख लिया। आगे पीएम मोदी ने यह भी कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ताकत दुश्मन ने देखी। यह तो हमारे तरकस का केवल एक ही तीर है। पीएम मोदी ने चेतावनी दी कि, अभी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई थमी नहीं है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचलने का काम करेगा।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 5 की मौत , 27 घायल

कई के अंदर फंसे होने की आशंका

नई दिल्लीः शुक्रवार को श्री मुक्तसर साहिब जिले के लांबी गांव के पास एक पटाखा निर्माण और पैकेजिंग फैक्ट्री में विस्फोट हुआ, जिसमें पांच प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और करीब 27 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों को डर है कि फैक्ट्री के अंदर अभी भी कई और मजदूर फंसे हो सकते हैं। विस्फोट के बाद पुलिस और चिकित्सा कर्मियों सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को इलाज के लिए एम्स बठिंडा ले जाया गया, जबकि अंदर फंसे लोगों को खोजने के लिए बचाव कार्य जारी है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार (30 मई, 2025) को पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब जिले के एक गांव के पास एक पटाखा निर्माण और पैकेजिंग इकाई में हुए विस्फोट में पांच प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। श्री मुक्तसर साहिब के लांबी इलाके में सिंघावली-कोटली रोड पर स्थित दो मंजिला फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। कल देर रात एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। फैक्ट्री में करीब 50 मजदूर काम करते हैं।

पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जसपाल सिंह ने बताया कि चार शव बरामद किए गए हैं और 27 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बाद कई श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। बचाव अभियान जारी है।

प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी, व्हाट्सऐप कॉल करके दी चेतावनी, आरोपी भागलपूर से गिरफ्तार

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस वक्त चुनावी राज्य बिहार के दौरे पर है। वह बिहार को बड़ी सौगाते दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ एक व्यक्ति ने पीएम मोदी को जान से माने की धमकी दे डाली। पुलिस ने अब उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है कि आखिर उसने ऐसा क्यों किया है।

व्हाट्सऐप के जरिए कॉल कर पीएम को मारने की दी धमकीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में बिहार के भागलपुर जिले से 35 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान में बताया गया कि आरोपी को बृहस्पतिवार शाम को सुलतानगंज पुलिस थाना क्षेत्र में महेशी गांव से गिरफ्तार किया गया। प्रधानमंत्री बिहार के दो दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को पटना पहुंचे थे। पुलिस के बयान में कहा गया है, भागलपुर से सुरक्षा एजेंसियों को व्हाट्सऐप के जरिए एक कॉल किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री को उनकी बिहार यात्रा के दौरान जान से मारने की धमकी दी गई थी।

(एसएसपी) को सूचित किया गया और मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह कॉल 71 वर्षीय मंटू चौधरी के मोबाइल फोन नंबर से की गई थी। भागलपुर पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया, विस्तृत तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ करने के बाद टीम ने पाया कि आरोपी समीर रंजन ने वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का उपयोग करके चौधरी के मोबाइल नंबर से व्हाट्सऐप कॉल किया था। इसमें कहा गया है कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी ने चौधरी को परेशानी में डालने के लिए कॉल किया था क्योंकि उनके बीच संपत्ति को लेकर विवाद है। बयान में कहा गया, आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपराध स्वीकार कर लिया है। इसमें बताया गया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का कबूलनामा

भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलें दागकर हमारे मंसूबों पर फेर दिया पानी

एजेंसी/ लाचिनः पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहली बार सार्वजनिक मंच से स्वीकार किया है कि दस मई को भारत पर हमला करने की उनकी कोशिशें धरी की धरी रह गई थीं, क्योंकि उससे पहले ही भारत ने रावलपिंडी हवाई अड्डे सहित प्रमुख सैन्य स्थलों को निशाना बनाकर ब्रह्मोस मिसाइलें दाग दी थीं। भारत ने हमारे नियोजित हमले का समय आने से पहले ही नूर खान (रावलपिंडी) और मुरीद के (चकवाल) ठिकानों को नष्ट कर दिया। अजरबेजान के लाचिन में पाकिस्तान-तुर्की-अजरबेजान त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में शरीफ ने कहा कि नौ और दस मई की रात को हमने भारतीय आक्रामकता का जवाब संयमित तरीके से देने का फैसला किया। हमारे सशस्त्र बल सुबह फज्र की नमाज के बाद साढ़े चार बजे भारत पर हमला करने के लिए तैयार थे, ताकि उसे सबक सिखाया जा सके। हालांकि, भोर से पहले ही भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों और रणनीतिक स्थानों पर हमला कर दिया। गौरतलब है कि रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस उन 11 स्थलों में शामिल था, जिन्हें भारत ने पाकिस्तान द्वारा पश्चिमी सीमा पर नागरिक क्षेत्रों पर हमले शुरू करने के जवाब में निशाना बनाया था।

बेटियों ने रचा इतिहास : एनडीए में पहली बार 17 महिला कैडेट्स का बैच हुआ पास

यह नारी शक्ति का प्रतीक : राज्यपाल

पुणे : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद शुक्रवार को पुणे के खडकवासला स्थित एनडीए परिसर में हुई 148वीं पासिंग आउट परेड में 17 महिला कैडेट्स ने इतिहास रच दिया। दरअसल, एनडीए के इतिहास में पहली बार हुआ है जब महिला कैडेट्स ग्रेजुएट हुई। यहां 300 से अधिक पुरुष कैडेट्स के साथ 17 महिला कैडेट्स ने स्नातक की पढ़ाई पूरी की। अब यह महिला कैडेट्स देश की सेनाओं में जाकर देश की सेवा करेंगी।

परेड के दौरान मिजोरम के राज्यपाल जनरल विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि आज अकादमी के इतिहास में एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण दिन है। आज एनडीए से महिला कैडेट्स का पहला बैच पास आउट हुआ है। यह सबसे बड़ी समावेशिता और सशक्तिकरण की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। ये युवा महिलाएं ह्यनारी शक्तिह्न का प्रतीक हैं, जो न केवल महिला विकास बल्कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़कियों के लिए ट्रेनिंग का अंत नहीं है, बल्कि नई संभावनाओं की शुरूआत है।

उन्होंने सभी कैडेट्स के प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि यहां आना मेरे लिए सम्मान की बात है। एनडीए के बारे में आपको जो बात सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह यह है कि कुछ भी नहीं बदला है, बल्कि सब कुछ बदल गया है। समय के साथ विकसित होते हुए भी इसके मूल मूल्य मजबूत बने हुए हैं। आज, 17 महिला कैडेट पास आउट हुईं, लेकिन आप उन्हें पहचान नहीं पाए। एनडीए ने उन्हें एकीकृत करने के लिए कितनी सहजता से काम किया है, इसकी खूबसूरती यही है। यह एक बदलाव की शुरूआत है जो उस समय के साथ तालमेल बिठाता है जिसमें हम आगे बढ़ रहे हैं।

इस अवसर पर वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह भी मौजूद थे। एक औपचारिक फोटो सत्र आयोजित किया गया, जिसमें एनडीए से पास होने वाली पहली महिला कैडेट्स को दिखाया गया, जो राष्ट्रीय रक्षा में अधिक समावेशी भविष्य के प्रतीक के रूप में खड़ी थीं। परेड से पासआउट होने वाली यह महिलाएं भविष्य में उन महिलाओं के लिए एक उम्मीद के तौर पर उभरेंगी जो देश के लिए कुछ करने का जज्बा रखती हैं।

सीएम हेमंत और वित्त आयोग की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर 16वें वित्त आयोग के सदस्यों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री और आयोग के सदस्यों के बीच झारखंड दौरे से जुड़ी बैठकों, कार्यक्रमों और उनके उद्देश्यों पर विस्तार से बातचीत हुई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि गांव गांव तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं को पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि झारखंड एक खनन करने वाला राज्य है और

यह देश के विकास में बड़ा योगदान देता है। लेकिन इससे राज्य को पर्यावरण को नुकसान, लोगों के विस्थापन और जमीन की हानि जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि खनन के बाद जमीन को दोबारा ठीक करने का काम (भूमि पुनर्ग्रहण) केंद्र सरकार की कंपनियां सही तरीके से नहीं कर पा रही हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 16वें वित्त आयोग के सदस्यों से कहा कि अगर भारत को विकसित बनाना है, तो उसके लिए पहले राज्यों को विकसित करना होगा। और राज्य का विकास तभी होगा जब गांवों का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के हर क्षेत्र में समान विकास के लिए गांवों पर खास ध्यान देना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हर राज्य की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए उन्हें अपने लोगों की जरूरतों के हिसाब से पैसे खर्च करने की आजादी मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान दे रही है, क्योंकि झारखंड की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है। राज्य ने मछली पालन के क्षेत्र में भी अच्छा काम किया है और खेती में आगे बढ़ने की बहुत संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का लगातार और संतुलित विकास उनकी सरकार की प्राथमिकता है। समाज के सभी वर्गों और समुदायों के विकास के लिए वित्त आयोग से सहयोग की उम्मीद है। खासकर स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका जैसे जरूरी क्षेत्रों में विशेष काम करने की जरूरत है। इस मौके पर राज्य के वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर और कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

रांची की तहरीन फातिमा मैट्रिक रिजल्ट में बनीं जिला टॉपर, डीसी ने मोमेंटो देकर किया सम्मानित

संवाददाता

रांची: मैट्रिक परीक्षा 2025 में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) बोर्ड के अंतर्गत रांची जिला की तहरीन फातिमा ने 97।4% अंकों के साथ जिला में पहला प्राप्त किया। इसके साथ ही वो झारखंड में पांचवां स्थान पाकर एक मिसाल कायम की है।

इस शानदार सफलता के लिए जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने तहरीन फातिमा को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके माता-पिता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि तहरीन की उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे रांची जिले के लिए गर्व की बात है। वह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

आईएएस बनना चाहती हैं तहरीनः जब उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने तहरीन से पूछा कि बेटी, आगे क्या करना चाहती हो? । इस पर आत्मविश्वास से भरे शब्दों में तहरीन ने मुस्कराते हुए जवाब दिया आगे इंजीनियरिंग करना चाहती हूं, इसके बाद यूपीएससी की तैयारी कर आईएएस बनना चाहती हूं। इस जवाब ने समारोह में मौजूद सभी के चेहरों पर एक प्रेरणादायक मुस्कान ला दी।

मंत्री इरफान अंसारी ने वर्चुअल माध्यम से की स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा, कोरोना को लेकर हुई चर्चा

रांची: देश में कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य में चलाये जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों की वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक की। नामकुम के स्वास्थ्य मुख्यालय से इस बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह राज्य की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति और आदिवासी बहुलता को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए झारखंड को विशेष

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की समीक्षा बैठक के दौरान राज्य के मंत्री के साथ अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबु इमरान, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ। चंद्र किशोर शाही एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राज्य में चल रही स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, खसरा-रूबेला टीकाकरण, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन 15वां वित्त आयोग अनुदान, और पीएसए प्लांट संचालन पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने बताया कि झारखंड में टीबी मरीजों को अब निक्षय आहार योजनाह्व के तहत 500 रुपये के स्थान पर 1000 रुपये प्रति माह पोषण सहायता दी जा रही है। इसके लिए अब तक 12 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से मरीजों को हस्तांतरित किए जा चुके हैं। राज्य में अब तक 226 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। साथ ही 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को राज्य में गंभीरता से चलाया जा रहा है।

खसरा रूबेला रोकथाम के लिए 09 जिलों में विशेष अभियान : इस समीक्षा बैठक के दौरान के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को यह जानकारी दी गयी कि खसरा एवं रुबेला की रोकथाम के लिए वर्ष 2023 में 9 उच्च जोखिम वाले जिलों जैसेझ्र साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, कोडरमा और दुमका में 45 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में टफ्1 टीका 8,41,319 बच्चों को और टफ्2 टीका 7,83,165 बच्चों को दिया गया है। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

डॉ इरफान अंसारी ने बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से रांची में एआईआईएमएस की स्थापना, पांच नए मेडिकल कॉलेज और एक मेडिकल सिटी की मांग दोहराया। मंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष प्राथमिकता दिये जाने की जरूरत है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आप अच्छा कार्य कर रहे हैं, मैं आपकी सोच की सराहना करता हूं और हरसंभव मदद करूंगा। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और विकास के लिए ब्लू प्रिंट के साथ दिल्ली आने को कहा है ताकि झारखंड की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की जा सके।

राज्य के 1170 पंचायतों में खुलेगा सीएचसी: डॉ इरफान अंसारी ने आज की बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि 1170 पंचायतों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। स्वास्थ्य विभाग तेजी से कार्य कर रहा है ताकि दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभता से उपलब्ध कराई जा सकें।

कोरोना को लेकर राज्य अलर्ट मोड में: स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि कोरोना के वर्तमान जेएन-1 वैरिएंट को लेकर राज्य सरकार अलर्ट मोड में है। सभी सिविल सर्जनों को तैयारी के लिए निर्देश दिया जा चुका है। राज्य के अस्पतालों के सभी ढरअ प्लांट क्रियाशील हैं और शीघ्र ही मॉक ड्रिल के माध्यम से तैयारियों का आकलन किया जाएगा। इस बैठक में केंद्र सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग की स्वास्थ्य अनुदान राशि को इस वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता के साथ खर्च करने के निर्देश भी दिए गए।

एमएसपी में वृद्धि,किसानों के हित में लिया गया स्वागत योग्य फैसलाः पवन साहु

संवाददाता

रांची: झारखंड, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में एमएसपी (मिनिमम सपोर्ट प्राइस) में वृद्धि के लिए, लिए गए फैसले का स्वागत किया है। पवन साहू ने इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव को धन्यवाद ज्ञापित किया है। पवन साहू ने कहा कि खरीफ की खेती शुरू होने से पहले केंद्र सरकार ने किसानों के पक्ष में बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 28 मई को वर्ष 2025- 26 के खरीफ सत्र के लिए 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी किया है। जिसमें धान, कपास, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, तिल

एवं रामतिल शामिल है। पवन साहू जी ने कहा कि धान की नई एमएसपी 23,69 रुपए तय की गई है, जो पिछली टरढ से 69 रूपया ज्यादा है। इसकी ए ग्रेड व सामान्य धान की एमएसपी 23,89 कर दी गई है। कपास की नई एमएसपी 77,10 रुपए तय की गई है, इसकी दूसरी किस्म की नई एमएसपी 81,10 रुपए कर दी गई है। जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। दालों में अरहर का एमएसपी 450 रुपए बढ़कर 8,000 रूपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। जबकि उड़द का एमएसपी 400 रूपये बढाकर 78,00 रुपए और मूंग का एमएसपी 86 रुपए बढाकर 87,68 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 (दो) लाख 7 (सात) हजार करोड रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 (सात) हजार करोड रुपए ज्यादा है। पवन साहू जी ने कहा कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50% प्रतिशत ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है। कहा कि 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएससी में भारी बढ़ोतरी की गई है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से अब किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण ऋण प्रणाली को सशक्त बनाने के साथ ही कृषि विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। कृषि कार्य के लिए केसीसी (ङउउ) पर 3 (तीन) लाख तक कर्ज लेने पर 7% (सात) प्रतिशत ब्याज का प्रावधान है। समय पर भुगतान करने पर 3% (तीन) प्रतिशत की छूट किसानों को सीधे दी जाएगी। जिससे प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% (चार)प्रतिशत देय होगी। पशुपालन एवं मत्स्यपालन के लिए ऋणों पर यह लाभ 2 (दो) लाख रुपए तक पर लागू होगा। कहा कि हाल के वर्षों में दलहन, तिलहन और पोषण युक्त श्रीअन्न की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इनके एमएसपी में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। बाजरे की खेती पर आने वाली लागत पर 63% प्रतिशत एवं मक्का और अरहर पर 59% प्रतिशत बढ़ाकर किसानों को भुगतान किया जाएगा। कहा कि अब देखना यह है कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार झारखंड के किसानों को कितना सुविधा दे पाती है।

कोविड को लेकर जिला प्रशासन सतर्क जारी हुई नई गाइडलाइन

रांची: बढ़ते कोविड संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। रांची उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची, मंजूनाथ भजंत्री ने संबंधित अधिकारियों को कोविड से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

लक्षण दिखने पर तुरंत बरतें सावधानीः जिला प्रशासन ने जनता को यह सलाह दी है कि यदि आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाते हैं या आपको बहती नाक, गले में खराश, सिरदर्द या बुखार जैसे लक्षण महसूस होते हैं, तो मास्क अवश्य पहनें। 2023 में एम्स आईसीएमआर-कोविड-19 नेशनल टास्क फोर्स द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, हल्के लक्षण होने की स्थिति में घर पर ही आइसोलेट रहना बेहतर है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

-फ्लू जैसे लक्षण होने पर मास्क पहनें, दूसरों से शारीरिक दूरी बनाए रखें और हाथों की स्वच्छता बनाए रखें।
- हल्के मामलों में आराम करें, तरल पदार्थ लें और लक्षणों से राहत के लिए दवाएं लें।
- अपने शरीर का तापमान और ऑक्सीजन स्तर नियमित रूप से मापते रहें।
-डॉक्टर से संपर्क में रहें, लेकिन बिना जरूरत एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग न करें।
- इन स्थितियों में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें सांस लेने में कठिनाई हो।
- ऑक्सीजन स्तर 93% या उससे नीचे चला जाए।
-तेज बुखार या लगातार पांच दिन से अधिक खांसी

नक्सली धमकी के 26 घंटे बाद तीनों कांटा घरों को चालू किया गया

पुलिस और सीआईएफ के कड़ी सुरक्षा में कांटा घर को चालू किया गया

प्रवेश चौहान

खलारी: कोयलांचल मे नक्सली धमकी के बाद पुराडीह ,केडीएच और डकरा कांटा घर बंद था पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में गुरुवार को केडीएच, पुरनाडीह और डकरा का बंद कांटा घर को चालू कराया। जानकारी के अनुसार नक्सली धमकी के बाद बुधवार को लगभग दोपहर 12 बजे से कांटा घर बंद था। एनके एरिया सुरक्षा विभाग से लिखित शिकायत के बाद मामले को लेकर खलारी थाना में एक मामला भी दर्ज किया गया है। डीएसपी रामनारायण चौधरी गुरुवार को सुबह केडीएच

कांटा घर पहुंचे और कांटा बाबू और लिफ्टरों से बात कर काम चालू कराया दो ट्रक का वजन भी कराया गया, लेकिन इस बीच कांटा बाबू ने सुरक्षा का

हवाला देकर काम करना

बंद कर दिया।इसके बाद डीएसपी रामनारायण चौधरी, इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो,सीआइएसएफ पदाधिकारियों और सीसीएल अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान काम करने वाले

लिफ्टरों व अन्य लोगों से बातचीत कर लगभग दो बजे वजन कार्य 26 घंटे से कांटा बंद था उसे चालू कराया गया। कांटा घर के आसपास सीआइएसएफ और पुलिस जवानों को सुरक्षा के लिए तैनात की गया है । नक्सली के एक फोन कॉल पर बंद हो जाता है कांटा घर काम

एनके पिपरवार में सीआइएसएफ जवानों की तैनाती है। पुरनाडीह में

एसआइएसएफ, सीसीएल सुरक्षा विभाग के जवान, होमगार्ड, खलारी, पिपरवार और मैक्लुस्कीगंज थाना के जवान, खलारी डीएसपी का शस्त्र बल तैनात किये गये है। इस पर सीसीएल और राज्य सरकार करोड़ों रूपए खर्च कर रही है। आपराधिक घटनाओं का दायरा मात्र 10-12 किमी की परिधि में है। इसके बावजूद एक फोन कॉल

पर पूरा सुरक्षा व्यवस्था चरमरा जाती है और कार्य बंद हो जाता है। पुलिस और सीआइएसएफ के जवानों का कड़ा पहरा लगाया।

अवैध मिनी गन फैक्ट्री चलाने वाले 5 अपराधी गिरफ्तार जांच में अंतरराज्यीय कनेक्शन आया सामने

धनबादः जिले के बाघमारा अनुमंडल के महुदा थाना क्षेत्र सिंगड़ा में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का पदार्फाश झारखंड एटीएस, पश्चिम बंगाल एसटीएफ और धनबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर 28 मई की रात को किया था। टीम जब मौके पर छापेमारी करने पहुंची तो दंग रह गई थी। मौके से दर्जनों पिस्टल और अर्धनिर्मित पिस्टल के साथ पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार बनाने के सामान जब्त किए थे। गिरफ्तार अपराधियों में ये हैं शामिलः पुलिस ने मामले में अवैध मिनी गन फैक्ट्री संचालक मोहम्मद मुर्शीद सिंगड़ा सहित पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें कारीगर मोहम्मद साबिर अंसारी, मोहम्मद मुस्तफा, मोहम्मद परवेज उर्फ रिंकू और मोहम्मद मिस्टर शामिल हैं। सभी बिहार के मुंगेर जिले के रहने वाले हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी की पुष्टि बाघमारा एसडीपीओ पुरुषोत्तम सिंह ने की है। 28 मई की रात पुलिस ने की थी छापेमाराः बाघमारा एसडीपीओ ने ने बताया कि धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र सिंगड़ा में पश्चिम बंगाल एसटीएफ, झारखंड एटीएस और धनबाद पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर 28 मई रात को अवैध मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया था। मौके से भारी संख्या में निर्मित और अर्धनिर्मित पिस्टल, पिस्टल बनाने वाले समान भारी मात्रा में बरामद किए गए थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी मुर्शीद की पत्नी हीना की संलिप्तता की पुलिस जांच कर रही है।

छऊ नृत्य, फूलखुंदी व झूलन के साथ मंडा पूजा संपन्न, उमड़ा जन सैलाब

मंडा पर्व को राजकीय पर्व घोषित करें राज्य सरकार : राजकुमार महतो, केंद्रीय अध्यक्ष

संवाददाता

रामगढ़/लोधमा: शिव मंडा पूजा समिति, शिव शक्ति क्लब के तत्वावधान में भव्य मंडा पूजा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पुरुलिया एवं बांकुड़ा से आए लोक कलाकारों द्वारा छऊ नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन किया गया। भोक्ता गण जलते हुए अग्नि कुंड में नंगे पांव चलकर शिव तपस्या का परिचय दिया। तड़के भोक्ताओं को बनास कांटा पीठ पर घोप एक लकड़ी के खंभे में सभी को बारी-बारी से झुलाया गया और भोक्तागण ऊपर से आस्था के फूल बरसाए। इससे पूर्व केंद्रीय मंडा पूजा समिति के प्रतिनिधि कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हुए। मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार

महतो ने कहा यह मंडा पूजा सैकड़ो वर्षों से झारखंड राज्य में होती आ रही है कहीं से मंडा पूजा, कहीं भोक्ता पर्व तो कहीं चड़क पूजा से जाना जाता है, मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं इसे जल्द राजकीय पर्व घोषित करें। इस आयोजन में केंद्रीय महासचिव उदय पासवान, उपाध्यक्ष भोला चौधरी, रणजीत राम, रामगढ़ जिला अध्यक्ष संजय कुमार एवं विक्रम कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए। इस आयोजन में इनकी रही भागीदारी जकूल बेदिया (पुजारी), गोपाल यादव, बबलू यादव, शंभू बेदिया, रघुवीर यादव, भानु यादव, अनूप यादव, दिलीप यादव, शंकर यादव, धनेश्वर यादव, त्रिभुवन बेदिया, प्रकाश यादव इनके द्वारा भव्य मंडा पूजा के आयोजन के लिए केंद्रीय मंडा पूजा समिति झारखंड इन सभी को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इधर रामगढ़ जिला के एक और श्री मंडा पूजा समिति, बारलौंग में भी भव्य मंडा पूजा का आयोजन किया गया था यहां भी सैकड़ो की संख्या में भोक्तियाँ आग पर चला आस्था का परिचय दिया तथा प्रातः तड़के झूलन संपन्न हुई, इससे पूर्व छाऊ नृत्य का भी धार्मिक और अद्भुत प्रदर्शन हुआ। इस मौके पर केंद्रीय मंडा पूजा समिति के महासचिव उदय पासवान ने कहा मंडा पूजा नागवंशी राजाओं के एवं अपने पूर्वजों की द्वारा शुरू की हुई परंपरा है उसे बचाना हम सभी का कर्तव्य है। मंडा पूजा समिति बारलौंग के सम्मानित संरक्षक सह मुखिया रेखा महतो, पंचायत समिति सदस्य निशा देवी, अध्यक्ष मनोज महतो, रामकुमार महतो, शशि महतो, कपिल महतो, अजय बेदिया, दिलीप पासवान, मिथुन महतो, सुरेंद्र महतो का सहयोग सराहनीय रहा। इन्हें भी सम्मान के रूप में अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर केंद्रीय समिति की ओर से। सम्मानित किया गया।

राज्य में प्री-मानसून का प्रभाव

अगले चार दिन तक वज्रपात के साथ बारिश का अलर्ट

संवाददाता

रांची: राज्य में 30 मई से बारिश , वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची में आज अधिकतम तापमान 31 ।2 डिग्री,जमशेदपुर में 34 ।3, डालटेनगंज में 35 ।2, बोकारो में 34 ।2 और चाईबासा में 34 ।4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के चलते अगले तीन-चार दिनों तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार, 30 मई, 31 मई, 1 और 2 जून तक राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने की संभावना है। बंगाल में मानसून के पहुंचते ही यह झारखंड में भी दो-तीन दिनों के भीतर पहुंच जाएगा।

पिछले 24 घंटों के दौरान रांची और आसपास के इलाकों में आज बादल छाए रहे। बीच-बीच मे धूप और उमस महसूस की गई। राज्य में सबसे अधिक बारिश पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला में 48 ।4 मिमी रिकॉर्ड की गई।

पर्यावरण संरक्षण सप्ताहः वीमेंस कॉलेज में कविता व निबंध लेखन प्रतियोगिता

रांची: रांची वीमेंस कॉलेज एनएसएस के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण सप्ताह के तहत गुरुवार को कविता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने प्रकृति का मौन विलाप, हरियाली का सपना, मानव और पर्यावरण का संबंध जैसे विषयों पर मार्मिक, विचारोत्तेजक और संवेदनशील रचनाएं प्रस्तुत की। लेखनी के माध्यम से उन्होंने न केवल पर्यावरणीय संकटों की ओर ध्यान आकर्षित किया, बल्कि समाधान के लिए व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर पहल करने की प्रेरणा भी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ गीता सिंह ने की। संयोजन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमारी उर्वशी, डॉ भारती सिंह व डॉ हर्षिता सिन्हा ने किया।

शराब घोटाले में हेमंत सरकार की बड़ी कार्रवाई

आईएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को किया सस्पेंड,अधिसूचना जारी

संवाददाता

रांची: राज्य के पूर्व उत्पाद सचिव सह उत्पाद आयुक्त विनय चौबे और संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने आज मुख्यमंत्री के आदेश के बाद इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

दोनों अधिकारियों को गिरफ्तारी की तिथि 20 मई से निलंबित किया गया है। हालांकि निलंबन संबंधी आदेश को इस बार कार्मिक ने आईपीआरडी के माध्यम से सार्वजनक नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने लगभग 38 करोड़ के घोटाले में विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को 20 मई को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा भेज दिया। मालूम हो कि किसी भी सरकारी कर्मी के 48 घंटे से अधिक समय तक हिरासत में रहने की स्थिति में उन्हें निलंबित करने का प्रावधान है।

झूलन सह मेला के साथ मंडा पूजा का समापन

बुढ़मू (रांची): रांची के बुढ़मू में गुरुवार को एक माह तक चलने वाला मंडा पूजा झूलन सह मेला के साथ संपन्न हो गया। मंडा पूजा की शुरूआत एक महीने पहले चेंगना (मुर्गी का बच्चा) को जंगल में छोड़कर और डागर देकर की गई थी। इसके एक सप्ताह बाद शिव मंदिर प्रांगण से शिव बारात के साथ हरिचरण लोहरा के घर गये। वहां सभी का स्वागत किया गया।

आग पर चलकर प्रकट की आस्थाः रात में फुलखुंदी के दौरान आग पर चलकर भोक्ता और सोक्ताइन ने भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था को प्रकट किया। फुलखुंदी के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका ग्रामीणों ने रात भर लुत्फ उठाया। गुरुवार को पाहन ने मंडा खूंटा का पूजा कर और मुख्य पटभक्ता हरिचरण लोहरा ने बनस पर झूलकर शिवभक्तों पर श्रद्धा के फूल बरसाये। मेला में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीओ ने किया मेला का उद्घाटनः सीओ सच्चिदानंद वर्मा, उपप्रमुख हरदेव साहू, पूर्व विधायक जेसी राम, जिप सदस्य रामजीत गंझू, मुखिया रामवृत मुंडा, पूर्व मुखिया गोवर्धन लोहरा, हरिश्चंद्र पहान सहित अन्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से मेले का उद्घाटन किया। पूरे कार्यक्रम के आयोजन में मंडा पूजा समिति के पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जैक 10वीं की बोर्ड परीक्षा

रांची जिला टॉपर तहरीन फातिमा को गुलाम मुस्तफा ने किया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांची: सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी रांची के तत्वावधान में आज उसुर्लाइन कॉन्वेंट की स्टूडेंट व रांची जिला टॉपर तहरीन फातिमा को भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने उसे उसके घर में जाकर मोमेंटो व बुके देकर तथा मेडल पहना कर सम्मानित किया। इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने अपने हाथ से तहरीन फातिमा को मिठाई खिलाई और दुआएं दी । प्रोफेसर मोहम्मद वसीम और मोहम्मद अशफाक सचिव रामेश्वर राम ने भी तहरीन फातिमा को दिल से बधाई दी। साथ ही तहरीन के माता-पिता को भी बहुत बधाई दी। इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि अगर सच्ची लगन और मेहनत का जज्बा हो तो किसी भी चीज में कामयाबी हासिल की सकती है । ठेला में कपड़ा बेचकर भी एक पिता ने अपनी बेटी को कामयाब बनाया। ऐसे माता-पिता बेशक बधाई के हकदार हैं।

रथ मेले मे रातू किला में होगा निः शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

रांचीः छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप) की ओर से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ मेला (27 जून) के शुभ अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डॉक्टर एस ।के ।निराला की पूरी टीम, सहित भारत विभूषण डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा,डॉक्टर आरएन ।प्रसाद,डॉक्टर अनुज कुमार पटेल,डॉक्टर बीके ।शर्मा व अन्य मरीजों की जांच करेंगें और परामर्श भी देंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा करेंगे। शिविर का उद्घाटन रातू महारानी करेंगी।

मैट्रिक में मदरसा की बच्चियों ने लहराया परचम

आलिमा कोर्स के साथ मदरसा में मैट्रिक भी कराया जाता हैः मौलाना अब्दुल्लाह नदवी

रांचीः झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की वार्षिक माध्यमिक परीक्षा (मैट्रिक) 2025 में एक बार फिर बेटियों ने परचम लहराया है। इस परीक्षा में सम्मिलित छात्राओं में 92 ।38 प्रतिशत छात्राओं ने सफलता प्राप्त की, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 90 ।36 प्रतिशत रहा है। मदरसा कुल्लियातुल बनात परहेपाट रातु रांची की छात्रा नफीसा अख़्तर पिता हाफिज अख्तर सुंदरू 77 ।8 प्रतिशत अंक लाकर मदरसा के पहले स्थान पर रही। दूसरे पर रहनुमा शाकिर और नाजनीन रही। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री रामदास सोरेन तथा शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने मंगलवार को जैक सभागार में मैट्रिक परीक्षा का परिणाम जारी किया। इस परीक्षा में मदरसा कुल्यतुल बनात कि 12 छात्राएं सम्मिलित हुए। जिनमें सभी छात्राएं सफल घोषित किए गए। इस तरह, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार परिणाम में और सुधार आया है। मदरसा के प्रिंसिपल हजरत मौलाना अब्दुल्लाह नदवी ने कहा कि हमारे यहां आलिमा कोर्स के साथ मदरसा में मैट्रिक भी कराया जाता है। बच्चियों को हाई सिक्यूरिटी हाई एजुकेशन स्वच्छ माहौल में दिया जाता है। मेरी दुआ है बच्चियां और आगे बढ़े अपने क्षेत्र और देश का नाम रौशन करे। मौलाना अब्दुल्लाह नदवी ने कहा कि मदरसा कुल्लियातुल बनात में दूसरा से लेकर आलिमा, खामसा व हिफ़्ज की पढ़ाई होती है। मदरसा के नाजिम हजरत मौलाना निजामुद्दीन नदवी ने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली सभी छात्राओं को बधाई दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

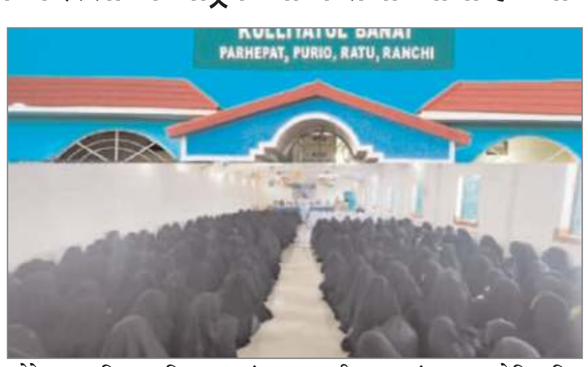

नेतरहाट में सांस्कृतिक महोत्सव दो जून से

आदिवासी परंपराओं का होगा उत्सव, एक जून तक रजिस्ट्रेशन

रांचीः झारखंड पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से नेतरहाट में दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन दो जून से होगा। इस आदिवासी परंपरा के उत्सव में स्टारलाइट इंटरनेशनल चैरिटेबल सोसाइटी सहयोग कर रही है। यह कार्यक्रम नेतरहाट आवासीय विद्यालय सभागार, लातेहार में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होगा। दो जून को पारंपरिक झूमर एवं छऊ नृत्य होगा। कार्यक्रम का उदघाटन पर्यटन निदेशक द्वारा किया जायेगा। तीन जून को विविध जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति, पुरस्कार वितरण सह समापन समारोह होगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 7000 रुपये व स्मृति चिह्न व शील्ड तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3000 रुपये व कप तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में दो हजार रुपये व कप दिये जायेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के एक जून 2025 तक निःशुल्क ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। प्रतिभागियों को आवागमन एवं भोजन की सुविधा आयोजकों द्वारा प्रदान की जायेगी।

राज्य के हर प्रखंड और पंचायत में बनेगा मत्स्य पालन का मॉडल तालाबः शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार हर राज्य के हर प्रखंड और पंचायत में मत्स्य पालन के लिए मॉडल तालाब का निर्माण करेगी। इतना ही नहीं राज्य भर के सभी डैमों में केज कल्चर पद्धति के जरिए मत्स्य पालन किया जाएगा।

विभाग का उद्देश्य नीली क्रांति की दौड़ में आंध्र प्रदेश से आगे निकलना है। इसके लिए अगले 5 वर्षों में एक हेक्टेयर में 10 मीट्रिक टन मछली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में एक हेक्टेयर में तीन मीट्रिक टन ही मछली का उत्पादन हो रहा है। रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में राज्य का पहला झारखंड मत्स्य महोत्सव का उदघाटन करते हुए कृषि और पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बीते गुरुवार को यह बात कही। तिर्की ने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर 75 मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के बीच दो लाख रुपए की अनुदान राशि का वितरण किया गया। मंत्री ने कहा कि समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की राशि मददगार साबित होगी। विभाग मत्स्य पालन से जुड़े किसानों की समस्या और चुनौतियों का समाधान करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सबल बनाना चाहती है। इसके लिए राज्य में तालाबों की संख्या बढ़ानी होगी। खास कर राज्य में विलुप्त हो रहे तालाब को पुनर्जीवित करना होगा। इसके लिए सभी उपायुक्त ऐसे तालाबों की सूची उपलब्ध कराएंगे।

तिर्की ने मत्स्य पालन को संगठित क्षेत्र का रूप देते हुए इसे आगे बढ़ाने की दिशा में विभाग को कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि राज्य में मछली के सीड और फीड पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य में 80 के करीब फिश फार्म हैं जिससे मछली बीज के रूप में विकसित किया जा सकता है। फिश फॉर्म का संचालन पीपीपी मोड पर भी किया जा सकता है। कहा कि एनएफडीबी के सहयोग से राज्य के करीब 350 मत्स्य पालकों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद भेजा जाएगा। वहीं विभाग के अधिकारी मत्स्य पालन के क्षेत्र में नई तकनीक की जानकारी शिफा संस्थान के माध्यम से लेंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य में एक लाख 70 हजार किसानों का बीमा कराया गया है पर अब तक मात्र दो किसानों को ही मुआवजे का भुगतान हो सका है। मत्स्य पालकों को बीमा के प्रति जागरूक होने की जरूरत है ताकि विकट समय में इसका लाभ लिया जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि और पशुपालन विभाग से जुड़ी योजनाओं की समुचित जानकारी के लिए न्यूज लेटर जारी किया गया है। इस न्यूज लेटर के माध्यम से गांव - घर के लोग आसानी से योजनाओं की विस्तृत जानकारी हासिल कर सकेंगे। मौके पर किसानों की सफलता पर किताब का विमोचन भी किया गया है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, रॉंची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-18/2025-26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :- कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0-2, रॉंची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :- दिनांक 12.06.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :- दिनांक 13.06.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- दिनांक 13.06.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान:-1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0-2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0-2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :- नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0-2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान :- अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :-

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of Room No.-20, 23, 102, 103, 104 and 120 at Old Vidhan Sabha Bhawan Campus, Russian Hostel, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand	2099800.00	5000.00	42000.00	2 Months
2	Waterproofing of Roof and Construction of Guard Room at Kelly Bunglow 1 (Director Residence) at RIMS, Ranchi	731900.00	1250.00	15000.00	1 Month
3	Renovation of "B" Type Qtr. No. -486 (2nd Floor) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	389900.00	750.00	8000.00	1 Month
4	Renovation of "B" Type Qtr. No. -963 (1st Floor) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	317500.00	750.00	6500.00	1 Month
5	Renovation of B Type Qtr. No. -373 (G. Fl.) in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	409100.00	750.00	8500.00	1 Month
6	Renovation of B Type Qtr. No. -149 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	408500.00	750.00	8500.00	1 Month
7	Renovation of "CDOHC" Type Qtr. No. -605 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	450700.00	750.00	9500.00	1 Month
8	E/R to Chief Secretary Chamber & Hon'ble CM Cell at 1st Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	2440100.00	5000.00	49000.00	2 Months
9	Construction of Drain, Cross Drainage, Plinth Protection & Development of Flag Hoisting Area of Jharkhand State Para Medical Council, RIMS Doctor's Colony, Bariyatu, Ranchi	1084900.00	2500.00	22000.00	2 Months
10	Renovation of "CD" Type Qtr. No. -175 (G. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	602700.00	1250.00	12500.00	1 Month

नोट :- निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्डल संख्या-2, रॉंची

PR.NO.353839 Building(25-26):D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

कोर्ट की हिदायत

सोशल मीडिया पोस्ट पर पुणे की छात्रा की गिरफ्तारी और कॉलेज से निष्कासन के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी केवल महाराष्ट्र ही नहीं, देश की सभी सरकारों के लिए एक सबक है। हाईकोर्ट की टिप्पणी इस ओर ध्यान दिलाती है कि स्टूडेंट्स से जुड़े मामलों में ज्यादा संवेदनशीलता की जरूरत है क्योंकि दांव पर उनका भविष्य लगा होता है। पुणे की 19 वर्षीय छात्रा ने ऑपरेशन सिंदूर पर एक पोस्ट किया था, जिस पर विवाद हो गया। हालांकि दो घंटे बाद ही उसने पोस्ट को डिलीट कर दिया और माफी भी मांग ली थी। इसके बावजूद उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। ऊपर से कॉलेज प्रशासन ने बिना उसका पक्ष जाने उसे निष्कासित भी कर दिया। इस वजह से वह सेमेस्टर एग्जाम के दो पेपर नहीं दे पाई। हाईकोर्ट ने इसी बात को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा - ऐसा लगता है कि पुलिस अधिकारी और कॉलेज प्रशासन छात्रा की जिंदगी बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। पहली नजर में ही देखने से लगता है कि पुलिस और कॉलेज प्रशासन, दोनों ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। उन्होंने इसे किसी क्रिमिनल केस की तरह लिया और जल्दबाजी में कार्रवाई की। छात्रा का माफी मांगना जाहिर करता है कि उसे अपनी गलती का अहसास था। वहीं, अगर कॉलेज प्रशासन को लग रहा था कि मामला वाकई गंभीर है तो छात्रा से बात कर उसकी काउंसिलिंग करनी चाहिए थी, ताकि दोबारा वह ऐसी स्थिति में न फंसे। कोर्ट ने कहा कि यह उम्र गलतियां करने और उसे सुधारने की है। लेकिन, यहां जब तक केस हाईकोर्ट में नहीं पहुंच गया, तब तक किसी ने भी छात्रा को सुधार करने का अवसर नहीं दिया। मैजिस्ट्रेट ने उसकी बेल अर्जी खारिज कर दी और सेशन कोर्ट ने सुनवाई की तारीख तय कर दी। हाईकोर्ट की टिप्पणी इसी बात को उजागर करती है कि छात्रा कोई अपराधी नहीं है और राज्य की अतिवादी प्रतिक्रिया इस तरह से तो लोगों को कट्टर बना देगी। इस केस के दो पहलू हैं - सोशल मीडिया का इस्तेमाल और उस पर स्टेट का रिएक्शन। दोनों में ही संतुलन लाने की जरूरत है। ऑनलाइन बातों पर विवाद होता रहा है और कई मौकों पर सुप्रीम कोर्ट तक को दखल देना पड़ा है। इस साल अप्रैल में ही शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक फैसले को पलटते हुए कहा था कि मोरल पुलिसिंग न्यायपालिका का काम नहीं है। यह बात दरअसल पूरे सिस्टम पर लागू होती है।

ट्रंप की वक्र दृष्टि

अपने बेतुके फैसलों व टैरिफ वार से तमाम अर्थव्यवस्थाओं को हिलाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वक्र दृष्टि अब अमेरिका के नामी-गिरामी विश्वविद्यालयों पर भी पड़ी है। दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र होने का दंभ भरने वाले अमेरिका में विश्वविद्यालय परिसरों में लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का गला घोंटा जा रहा है। अब अमेरिका में उच्च शिक्षा का सपना देखने वाले भारत व दुनिया के तमाम देशों के छात्रों के लिये ट्रंप प्रशासन ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। हाल के दिनों में प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालयों पर मनमाने फैसले थोपे व कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए, जो विश्वविद्यालयों के परिसरों में अभिव्यक्ति की आजादी पर नकेल कसने की ही कवायद थी। दलील दी गई कि फलस्तीन का समर्थन करने वाले छात्र-छात्राओं की सूचना ट्रंप प्रशासन को दी जाए। इन्हीं बंदिशों के बाद अब ट्रंप सरकार ने दुनियाभर के अपने दूतावासों को स्टूडेंट वीजा की प्रक्रिया बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप सरकार की दलील है कि पहले आवेदक छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट की गहरी जांच की जाएगी। इस योजना पर काम चल रहा है। दरअसल, अमेरिकी सरकार द्वारा स्टूडेंट वीजा के लिये आवेदन करने वाले छात्रों की सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच तेज की जाएगी। इस फैसले से भारत समेत तमाम देशों के छात्रों की अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के सपने को आंच आ सकती है। अमेरिका सरकार इसके माध्यम से उन छात्रों के आवेदन को खारिज करने की तैयारी में है जिनके सोशल मीडिया अकाउंट में ट्रंप या अमेरिका की नीतियों की आलोचना की सामग्री होगी। जाहिर है ऐसे छात्रों को अमेरिका के विश्वविद्यालयों में दाखिला नहीं दिया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक साल 2023-24 में करीब तीन लाख से अधिक भारतीय छात्र अध्ययनरत थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिये हजारों भारतीय प्रतिभाएं हर साल अमेरिका का रुख करती हैं। अमेरिका के इस फैसले से उन छात्रों को दिक्कत होगी जो इस साल अगस्त से शुरू होने वाले सत्र का हिस्सा बनना चाह रहे थे। दरअसल, अमेरिका सरकार द्वारा अपने दूतावासों को कहा गया है कि वीजा के लिये पेश किए गए नये आवेदनों को रोक दें। उन पर सोशल मीडिया खातों की जांच के बाद ही कोई निर्णय लिया जा सकेगा। यहां उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पहले से पढ़ रहे सैकड़ों छात्रों के वीजा इस आरोप के बाद निरस्त कर दिए कि उन्होंने इस्राइल विरोधी आंदोलन में शिरकत की थी। इनमें वे छात्र भी शामिल थे जिन्होंने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर फलस्तीनियों के पक्ष में पोस्ट डाली थी। सरकार की दलील थी कि इन छात्रों को पढ़ाई के लिये वीजा मिला था न कि राजनीतिक मुद्दों में सक्रियता के लिये। उल्लेखनीय है कि कई भारतीय छात्र भी इस फैसले की चपेट में आए हैं। इसके चलते ही अमेरिकी दूतावासों को वीजा आवेदन करने वालों के सोशल अकाउंट की स्क्रीनिंग के आदेश दिए गए हैं। जांच के बाद छात्रों की गतिविधियों में अमेरिकी नीतियों का विरोध न होने पर वीजा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस स्क्रीनिंग में इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स, लिंक्डइन, टिकटॉक आदि सोशल मीडिया अकाउंट को शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, वीजा पर सख्ती के अलावा पहले से अमेरिका में पढ़ रहे छात्रों के लिये नियम सख्त किए जा रहे हैं। यहां तक चेतावनी दी गई है कि नियमित कक्षाओं में न जाने वाले तथा ड्राप आउट का विकल्प चुनने वाले छात्रों के वीजा भी रद्द किए जा सकते हैं। उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट में अमेरिकी नीतियों की आलोचना करने से बचने की नसीहत दी गई है। दलील दी जा रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले पोस्ट सोशल मीडिया पर डालने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, ट्रंप की विश्वविद्यालयों के आजादी में दखल के खिलाफ प्रतिरोध के सुर भी अमेरिका में उभर रहे हैं। कई अदालतों ने विश्वविद्यालयों के पक्ष में स्थगन आदेश दिए हैं। अपने फैसलों की किरकिरी होते देख ही ट्रंप प्रशासन ने आने वाले छात्रों के लिये सख्त नियम लागू किए हैं। साथ ही कई विश्वविद्यालयों की आर्थिक मदद भी रोकी है। बहरहाल, विवाद का कोई समाधान फिलहाल नजर नहीं आता।

गुरु अर्जन देव के विचारों में जीवन-दर्शन की झलक

गुरु अर्जन देव के ये उपदेश आज भी सार्थक और मूल्यवान हैं। गुरु अर्जन देव केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिये पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, वहां गुरु अर्जन देव के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करते हैं।

श्वेता गोयल

गुरु परंपरा की महिमा अपार है। भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत पूज्य माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा में सिख धर्म के पंचम गुरु अर्जन देव जी का स्थान विशिष्ट है। 30 मई को उनका शहीद दिवस है। उनके विचारों में संपूर्ण जीवन-दर्शन की झलक है। उन्होंने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। गुरु अर्जन देव न केवल धार्मिक संत, बल्कि महान समाज सुधारक, कुशल संगठक और ज्ञान के अद्वितीय स्रोत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानवता की सर्वोच्चता को महत्व दिया। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और बिना किसी भेदभाव के सभी की सहायता और सेवा करते थे। उनके पास दूर-दूर से विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग ज्ञान, शांति और मार्गदर्शन की खोज के लिए पहुंचते थे।

एक बार एक श्रद्धालु उनके पास पहुंचा और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा। उस श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है और इसका वितरण ही इसकी सच्ची पूजा है। श्रद्धालु यह सुनकर भावविभोर हो गया और गुरु जी के चरणों में नतमस्तक होकर बोला कि आज आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सत्य बता दिया। गुरु अर्जन देव का जीवन अनेक शिक्षाप्रद प्रसंगों से भरा है। एक बार बाला और कृष्णा नामक दो पंडित गुरु अर्जन देव के पास आए और बोले कि महाराज! हम कथा सुनाकर दूसरों को आत्मिक शांति तो देते हैं लेकिन स्वयं हमारे मन को शांति नहीं मिलती। हम क्या करें? गुरु अर्जन देव ने उन्हें बहुत सरल लेकिन गहन उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तुम कथा वाचन को धन प्राप्ति का माध्यम समझकर करते रहोगे, तब तक तुम्हारा मन कभी शांत नहीं हो सकता। जब तक कर्म में निष्काम भाव नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति मिलना असंभव है। उन्होंने पंडितों से कहा कि कथा करते समय अपने मन को शुद्ध करो, कथा को परमात्मा की उपस्थिति में किया गया एक पवित्र कार्य मानो और जो उपदेश दूसरों को देते हो, उसे स्वयं भी जीवन में उतारो। यही वह मार्ग है, जिससे तुम्हारा चंचल और अशांत मन भी सच्ची शांति का अनुभव करेगा।

गुरु अर्जन देव के ये उपदेश आज भी सार्थक और मूल्यवान हैं। गुरु अर्जन देव केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिये पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, वहां गुरु अर्जन देव के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करते हैं। गुरु अर्जन देव का मानना था कि मन की शांति ही सच्चे सुख का मार्ग है। भौतिक वस्तुएं चाहे कितनी भी मिल जाएं लेकिन यदि मन अशांत है तो व्यक्ति कभी भी सच्चा सुख अनुभव नहीं कर सकता। उन्होंने जीवनभर सेवा, संतोष और आत्मसमीक्षा को प्राथमिकता दी।

आज अधिकांश लोग मानसिक अशांति, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से ग्रसित हैं। इसका मूल कारण यही है कि लोग अपने जीवन में आत्मसंतोष नहीं पा पाते। जब तक मन में संतुष्टि नहीं होगी, तब तक शांति भी नहीं मिल सकती। आत्मसंतोष और आंतरिक संतुलन ही सच्ची मन की शांति का मार्ग है। मन को शांत रखने का सबसे अच्छा उपाय है, सेवा का भाव, निष्काम कर्म और सत्य के मार्ग पर चलना। गुरु अर्जन देव की वाणी और उनका जीवन-दर्शन हमें सिखाता है कि सच्ची शांति केवल बाहरी साधनों से नहीं बल्कि आत्ममंथन, सेवा और निष्काम कर्म से मिलती है। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय केवल अपने मन के साथ बिताएं, स्वयं से संवाद करें और आत्मा की आवाज को सुनें तो न केवल हमारी मानसिक शांति लौटेगी बल्कि हम एक बेहतर इंसान बन पाएंगे। उन्होंने शिक्षा दी कि बलिदान केवल शरीर का नहीं होता अपितु अपने विचारों, इच्छाओं और लालसाओं का भी होता है। उनका बलिदान इस बात का प्रतीक है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए केवल शब्दों की नहीं, आचरण और संघर्ष की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी शहादत से यह सिद्ध कर दिया कि जीवन की सार्थकता केवल जीने में नहीं बल्कि सत्य के लिए जीने और मरने में है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

खरीफ की फसल की बुवाई से पहले एमएसपी की घोषणा अच्छा कदम

जहां तक एमएसपी दर की घोषणा की बात है सरकार की इच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रूप से सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्र सरकार की खरीफ फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा धरती पुत्रों के फायदे के लिए लिए अच्छा कदम है। खरीफ की बुवाई से पहले की गई इस घोषणा को सकारात्मक माना जाना चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही है।किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार ने श्रीअन्न को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास कर अब देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास कर रही है। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में रामतिल के भाव में सर्वाधिक 820 रुपये की बढ़ोतरी करते हुए इसे 9537 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है। तिल की एमएसपी में 579 रुपये, सोयाबीन में 436 रुपये, सूरजमुखी में 441 रुपये और मूंगफली की एमएसपी में 480 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। उड़द में 400 रुपये तो मूंग की एमएसपी में 86 रुपये और अरहर की एमएसपी में 450 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दर में भी बढ़ोतरी की गई है।

जहां तक एमएसपी दर की घोषणा की बात है सरकार की इच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रूप से सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा।

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। अब किसान नेताओं का कहना है कि सरकार एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। एफसीआई और नैफेड एमएसपी खरीद की नोडल एजेंसी हैं। कपास की खरीद सीसीआई करती है। एफसीआई व नैफेड की खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती हैं। खरीद व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाइन कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था की गई है। पर कहीं ना कहीं व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यूं समझा जा सकता है कि एक समय था जब सरकारी खरीद शुरू होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मंडियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी। ठीक इसके उलट आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है।

इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार किसी ना किसी बहाने टालती रहती है क्योंकि बाजरा की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है।सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। दूसरी ओर व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलिये इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है।

इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आढ़तियों की मौज रहती है।हालांकि इसे व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार करती है उन फसलों के तैयार होकर मंडियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। आज सरकार के पास उत्पादन का सारा डेटा उपलब्ध होता है। ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को श्रीअन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मन और शरीर स्थिर हो तो आनंद का अनुभव होता है

हम जीवन को जितना समझते हैं, जीवन उससे कहीं अधिक है। मनुष्य रूप में हमें जो जन्म मिला है, वह अपनी आत्मा को जानने और उसका मिलाप परमात्मा से कराने के लिए है। जब यह पता होगा कि हमें हमारी आत्मा को परमात्मा में लीन कराना है, तभी हम आंतरिक आध्यात्मिक यात्रा शुरू करेंगे। इसी यात्रा में हम अपने अंतर में परमात्मा का अनुभव कर सकते हैं। इसके लिए हमें अपने ध्यान को बाहरी दुनिया से हटाकर अंतर में केंद्रित करने की सही तकनीक को सीखने की जरूरत है। इस प्रक्रिया को हम ध्यान-अभ्यास कहते हैं।

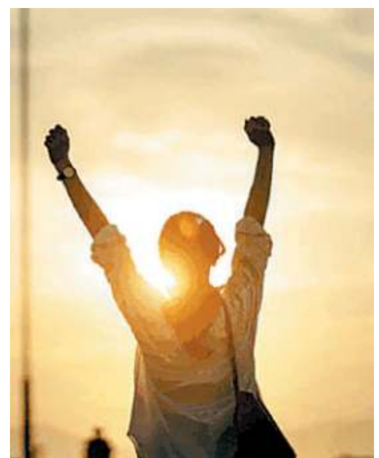

जब हम अपना ध्यान बाहर की दुनिया से हटाकर अंतर में केंद्रित करते हैं, तब हमारे लिए आंतरिक आध्यात्मिक दुनिया खुल जाती है। तब हम परमात्मा की ज्योति और प्रेम से जुड़ सकते हैं। शांत होकर बैठने की प्रक्रिया दिखने में आसान लगती है, लेकिन जब हम ध्यान-अभ्यास के लिए बैठते हैं, तब पाते हैं कि कई रुकावटें हमारे रास्ते में आती हैं। जैसे ही हमें अपने अंतर में कुछ अनुभव होता है, तब हमें यह भ्रम होता है कि हमने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। जबकि हम केवल रास्ते के एक मोड़ तक ही पहुंचे होते हैं। हमें लक्ष्य में आने वाले मोड़ को समझने की जरूरत है। हमें मोड़ को मंजिल समझकर रुकना नहीं चाहिए, बल्कि अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

जैसे ही हम परमात्मा की ओर जाने वाले रास्ते पर कदम बढ़ाते हैं, हमारा मन हमें अंतर में कई मुसीबतों और बाधाओं में डाल देता है। मन से उत्पन्न होने वाले विचार और इच्छाएं हमें विचलित कर हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटका कर दूर कर देते हैं। ध्यान-अभ्यास के दौरान हममें से बहुत से लोग शरीर या मन को स्थिर नहीं कर पाते। हम एक या दो दिन की कोशिश के बाद शायद हार मान जाते हैं क्योंकि हम लंबे समय तक स्थिर नहीं रह सकते हैं। लेकिन जब हमें इसका अभ्यास हो जाता है तो हम अपने आपको आंतरिक आध्यात्मिक दुनिया के नजारों और आवाजों का आनंद लेते हुए पाते हैं। इसे महसूस करने की जरूरत है।

ध्यान-अभ्यास के लिए हमें धैर्य, दृढ़ता और कठिन परिश्रम की जरूरत है। इसमें हमें अपने ध्यान को अपने भीतर केंद्रित कर भटकने नहीं देना चाहिए। समय के साथ-साथ मेहनत करके हम अपने मन और शरीर को स्थिर करने में समक्ष हो जाते हैं, फिर आंतरिक दुनिया हमारे लिए खुल जाती है। फलस्वरूप हम परमात्मा के प्रेम और ज्योति के साथ जुड़ने पर असीम आनंद का अनुभव कर सकते हैं। इस आनंद या इस अनुभव को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

सेहत

बॉडी में जमे टॉक्सिन्स को बाहर निकाल देंगे ये हेल्दी ड्रिंक्स

लिवर हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग होता है। यह हमारे शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम करता है। लिवर को स्वस्थ रखने और उसे डिटॉक्स करने के लिए हेल्दी चीजों का सेवन करना जरूरी होता है। ऐसे में अगर लिवर हेल्दी रहता है तो कई बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। लिवर डिटॉक्सिफिकेशन, मेटाबॉलिज्म और पाचन तंत्र का मुख्य अंग है। ऐसे में आप अपने लिवर को हेल्दी रखने और डिटॉक्स करने के लिए अपनी डाइट में कुछ हेल्दी ड्रिंक्स को शामिल कर सकते हैं। यह हेल्दी ड्रिंक्स लिवर को नेचुरल रूप से हेल्दी रखने में मदद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं किन ड्रिंक्स को पीने से लिवर हेल्दी रहता है।

ऑरेंज जूस : संतरे में भी विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह लिवर के एंजाइम को एक्टिव करने के साथ बॉडी में जमे हानिकारक पदार्थ को बाहर निकालता है। इसके लिए आपको ताजे संतरे के जूस को बिना चीनी के पिएं। क्योंकि शुगर आपके स्वास्थय को नुकसान पहुंचा सकता है। आप दिन में एक बार इसका सेवन कर सकते हैं।

हल्दी दूध : हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है, जोकि लिवर की सूजन को कम करने में सहायता करता है। साथ ही हल्दी शरीर के नेचुरल डिटॉक्सिफिकेशन प्रोसेस को बढ़ाता है। इसके लिए एक गिलास गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पिएं। आप इसको सुबह या रात को सोने से पहले पी सकते हैं।

ग्रीन टी : ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है। हालांकि इसका सही मात्रा में सेवन करना चाहिए। जिससे कि यह आपको किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचा सके। आप रोजाना सुबह खाली पेट एक कप ग्रीन टी पी सकते हैं। इसमें अल्फा-लिपोइक एसिड पाया जाता है, जो लिवर के एंजाइम को सुधारता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

आज भी क्षेत्र पिछड़ापन का शिकार है जो दुर्भाग्यपूर्ण है : विधायक

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने झारखंड मुक्तिमोर्चा के साहिबगंज जिला अध्यक्ष अरुण सिंह की अगुवाई में साहिबगंज सदर प्रखंड क्षेत्र के महादेवगंज, छोटीकोदरजन्ना, डिहारी, हाजीपुर भीठ्ठा व हाजीपुर दियारा क्षेत्र का भ्रमण किए।बीते दिनों महादेव गंज के एक मजदूर की हैदराबाद में हुई मौत के मृतक के आश्रित एवं सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मृतक के आश्रित से मिलकर विधायक जी ने ढांढस बंधाते हुए त्वरित सरकारी सहयोग दिलाने का आश्वासन दिए।मौके से अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज व अंचलाधिकारी साहिबगंज को दूरभाष पर त्वरित पारिवारिक लाभ विधवा पेंशन, आवास योजना से मृतक के आश्रितों को लाभान्वित करने का दिशा निर्देश दिए।क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, बिजली, शौचालय, सड़क, पेंशन योजना एवं सदर प्रखंड के कई इलाकों में निवास प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण

पत्र निर्गत नहीं होने की समस्या से विधायक को अवगत कराया गया।विधायक ने कहा कि आज भी क्षेत्र पिछड़ापन का शिकार है। जो दुर्भाग्यपूर्ण है जनहित के सभी समस्याओं का निदान किया जाएगा। बिजली पानी सड़क, शौचालय मूलभूत समस्या है। इसका त्वरित समाधान किया जाएगा।सदर प्रखंड मुख्यालय में स्वयं एवं उनके प्रतिनिधि व पार्टी पदाधिकारी के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या को सुनकर संज्ञान में लेते हुए त्वरित समाधान की दिशा में पहल की जाएगी। हाजीपुर पंचायत के बाढ़ प्रभावित इलाके में ग्रामीण महिलाओं ने शौचालय की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि शौचालय नहीं होने के कारण बाढ़ के समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।इसके साथ ही रोशनी के लिए हाई मस्ट लाइट का अधिष्ठापन कराना। विधायक जी ने कहा कि मूलभूत समस्याओं का समाधान करते हुए सरकार के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण लाभुकों को लाभान्वित कराया जाएगा।ग्रामीण क्षेत्र का विकास उनकी प्रथम प्राथमिकता है।जनता ने जिस आशा और विश्वास के साथ अपना प्रचंड बहुमत और समर्थन दिया है।क्षेत्र में विकास की कार्यों को किया जाएगा.मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ, केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा, प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, मुजम्मिल हक, यारानुल हक उर्फ गोले, सिद्दीक शेख, राजू अंसारी, मो जाबिर, लाल बाबू, मो सद्दाम हुसैन सहित अन्य मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में नगर कांग्रेस कमिटी की एक बैठक

साहिबगंज : शहर के बंगाली टोला स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में नगर कांग्रेस कमिटी की एक बैठक नगर अध्यक्ष सतीश पासवान कि अध्यक्षता मे किया गया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड पर्यवेक्षक अशोक कुमार पासवान उपस्थित थे।बैठक में नगर कांग्रेस कमिटी के लिए चयनित सभी पदाधिकारियों का परिचय और उनको दी जाने वाली नई जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।साहिबगंज नगर के पर्यवेक्षक अशोक पासवान ने सभी नगर कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों को कांग्रेस पार्टी के नीति सिद्धांतों से परिचित कराया । सभी नगर के पदाधिकारियों को वार्ड कमिटी का जल्द से जल्द गठन करने का निर्देश दिया।अशोक पासवान ने कहा कि संगठन सृजन 2025 कार्यक्रम के तहत पुरे प्रदेश में संगठन को चुस्त दुरुस्त करने की कवायद चल रही है।जून 2025 में किसी भी दिन संविधान बचाव रैली आयोजित की जा सकती है इसलिए जरूरी है।कि नगर और वार्ड कमिटी मजबूत के लिए हमें अभी से लग जाना है ।बैठक में आफताब आलम, रोहित कुमार गणेश मंडल सुल्तान अहमद आजम अंसारी, अभय यादव पूजा देवी नकीब आजम, लड्डू कुमार, राजीव कुमार, प्रदीप कुमार सिंह व अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छात्राए चांसलर पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन कर सकती है : डॉ धुर्व

साहिबगंज : सिद्धू कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के अंतर्गत रसूलपुर दहला भरतिया कलोनी स्थित महिला महाविधालय मे वाणिज्य व कला कि पढ़ाई होती है जिसकी जानकारी कॉलेज के प्राचार्य डॉ धुर्व ज्योति कुमार सिंह ने दी।उन्होंने बताया कि सत्र 2025-2029 मे एडमिशन लेने के लिए छात्राए चांसलर पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन कर सकती है।उन्होंने बताया कि आवेदन कि तिथि 1 से 24 जून तक निर्धारित कि गई है।

शहजादी परवीन ने 459 अंक लाकर बनी विद्यालय टॉपर बनना चाहती हैं शिक्षिका

साहिबगंज/राजमहल: झारखंड एकेडमिक काउंसिल जैक द्वारा मंगलवार को जारी 10वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों में राजमहल की एक बेटी ने शानदार प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया है। प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल, राजमहल की होनहार छात्रा शहजादी परवीन ने कुल 459 अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय में टॉप किया, बल्कि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर अपने स्कूल के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है।राजमहल निवासी मो. हेना शेख की पुत्री शहजादी परवीन की इस बेहतरीन सफलता ने परिवार में जश्न का माहौल है। शहजादी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और माता-पिता के मार्गदर्शन को दिया है। शहजादी ने बताया कि वह पढ़ लिखकर एक शिक्षिका बनना चाहती हैं।

भौतिक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि योजनाओं के प्रभाव का सही मूल्यांकन हो सके : उपायुक्त

साहिबगंज : जिला गोपनीय कार्यालय में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में भूमि संरक्षण विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं जैसे तालाब निर्माण, प्रोकुलेशन टैंक डिप बोरिंग और चेक डैम निर्माण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निमार्णाधीन तालाबों और प्रोकुलेशन टैंकों में भूमि विवाद की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं की निगरानी नियमित रूप से की जाए और प्रत्येक कार्यस्थल की भौतिक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ताकि योजनाओं के प्रभाव का सही मूल्यांकन हो सके।बैठक में भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल गुप्ता उपस्थित थे।

16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ.अरविंद पनगढिया ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में की पूजा अर्चना

देवघर : 16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया ने गुरुवार को सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व तिर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया। इसके पश्चात अध्यक्ष द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गयी। इसके अलावा पूजा अर्चना पश्चात मौके पर उपस्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने अध्यक्ष को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह व बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद प्रदान किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग, अनुमंडल पदाधिकारी सह बाबा मंदिर प्रभारी रवि कुमार एवं संबंधित अधिकारी, दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

अनेकों प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कोई भी प्रशिक्षण लेकर स्वयं का रोजगार शुरू

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी बरहरवा और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के संयुक्त तत्त्वाधान से गुरुवार को बरहरवा प्रखंड के मयूरकोला पंचायत भवन में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन बीपीएम फैज आलम, वरीय संकाय राजहंस कुमार व संकाय उपेंद्र गोप की उपस्थिति में किया गया। बीपीएम फैज आलम, वरीय संकाय राजहंस कुमार एवं संकाय उपेंद्र गोप के द्वारा बतलाया गया।कि भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के द्वारा अनेकों प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कोई भी प्रशिक्षण लेकर स्वयं का रोजगार शुरू किया जाता है। जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बेरोजगार बीपीएल धारी दीदियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को जिसका उम्र 18 से 45

वर्ष तक है उनको प्रशिक्षण प्रदान कर आर्थिक रूप से स्वतंत्र व नियमित वेतन आधारित रोजगार से जोड़ा जाता है।इस योजना के अंतर्गत सखी मंडल से जुड़ी दीदियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण साहेबगंज में दिया जाता है।ताकि दीदी अपने कौशल को पहचान बनाकर अपने लिए आत्मनिर्भरता की नई राह तैयार कर सके।प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आवश्यक कागजात आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो इत्यादि अनिवार्य है।प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाण पत्र एवं व्यापार संबंधित व्यक्तिगत बैंक लिंकेज करवाने हेतु आवेदन भी लिया जाएगा।इस कार्यक्रम में वित्तिय वर्ष 23-24 और 24-25 में स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहेबगंज में प्रशिक्षण प्राप्त पूर्व प्रशिक्षुओं से शिस्टाचार मुलाकात करके वर्तमान स्तिथि का जायजा लिया गया।कार्यक्रम में पीआरपी सुशीला मुर्मू, छाया देवी इत्यादि सहित अन्य उपस्थित थे।

आरपीएफ ने ब्रह्मपुत्र मेल से तस्करी के 8,800 रुपये की अवैध शराब को किया जब्त

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : आरपीएफ ने गुरुवार की सुबह ब्रह्मपुत्र मेल के एससी कोच से अस्सी पीस अवैध कैन बियर को बरामद करने में सफलता हासिल की है।आरपीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर ट्रेन सं.15658 ब्रहपुत्र मेल के कोच नंबर एससी 245768 में अवैध रूप से स्लीपर कोच में शराब ले जाने की सूचना मिलते ही बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में सीपीडीएस टीम, मालदा एएसआई बाबुल दास आरक्षी कुमार प्रयलंकर, आरक्षी अजीत कुमार टोप्पो आरक्षी अजीत कुमार और आरपीएफ पोस्ट बरहरवा से एएसआई जलेश्वर कुमार दुबे, कांस्टेबल अनिल कुमार साह को साथ लेकर जब ट्रेन सं.15658 ब्रहपुत्र मेल बरहरवा रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 01 पर आई तो कोच नंबर एससी 245768 को संयुक्त रूप से छापेमारी कर सर्च अभियान

चलाया।जिस दौरान सीट के नीचे दो प्लास्टिक का झोला मिला । जबकि झोले के बारे में कोच में बैठे यात्रियों से पूछा गया तो कोई भी व्यक्ति सामने नहीं आया।उसके बाद दोनों झोलों की जांच की गई तो दोनों में कुल 80 पिस हाईवाड्र्स कंपनी का केन बीयर मिला। जिसकी कुल कीमत 8,800 रुपए है।दोनों झोलों को प्लेटफार्म नंबर 01 पर उतारा गया और सभी उपस्थित गवाहों के सामने जब्त कर आरपीएफ बरहरवा कार्यालय लाया और इंस्पेक्टर एक्साइज डिपार्टमेंट साहिबगंज को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंपा गया।बताते चले कि बरहरवा रेल पुलिस ने 24 घंटा के अंदर ट्रेन मे छापामारी कर दो बड़ी शराब की खेप को सफलता हासिल की है।इस दौरान बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, पकड़े जाने पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा तिथि घोषित

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2024-28 की परीक्षा तिथि घोषित कर दी है। यह परीक्षा 24 जून से 15 जुलाई 2025 तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विषयों को तीन समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 'ए' में अर्थशास्त्र, हिंदी, समाजशास्त्र, उर्दू, संस्कृत, गणित, श्रम एवं समाज कल्याण, भूविज्ञान, मैथिली और गांधी विचार जैसे विषय शामिल हैं। ग्रुप 'बी' में अंग्रेजी, इतिहास, प्राणीशास्त्र, रसायन शास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, ग्रामीण अर्थशास्त्र, संगीत, सांख्यिकी, फारसी और मानवशास्त्र के विषय हैं। वहीं, ग्रुप 'सी' में भूगोल, राजनीति विज्ञान, संथाली, वाणिज्य, दर्शनशास्त्र, भौतिकी, बंगाली, वनस्पति शास्त्र, मनोविज्ञान और गृह विज्ञान शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा घोषित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं ग्रुप अ, इ और उ के अनुसार विभिन्न तिथियों में आयोजित की जाएंगी। ग्रुप ए की परीक्षाएं 24 जून, 26 जून, 30 जून, 4 जुलाई, 8 जुलाई और 12 जुलाई को होंगी। ग्रुप बी की परीक्षाएं 25 जून, 27 जून, 2 जुलाई, 5 जुलाई, 9 जुलाई और 14 जुलाई को निर्धारित की गई हैं। वहीं ग्रुप सी की परीक्षाएं 24 जून, 28 जून, 3 जुलाई, 7 जुलाई, 11 जुलाई और 15 जुलाई को आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयकुमार साह द्वारा कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के निर्देश पर जारी किया गया है। छात्र-छात्राएं यह अधिसूचना विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में 1 जून से 20 जून तक गर्मी की छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। लेकिन छात्रहित को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि यूजी ओल्ड कोर्स के सेमेस्टर 1 से 3 तक की विशेष परीक्षाएं (स्पेशल एग्जाम) इन्हीं छुट्टियों के दौरान आयोजित की जाएंगी।

इस क्रम में सेमेस्टर-1 की परीक्षा 28 मई से 4 जून तक तथा सेमेस्टर-2 और 3 की परीक्षा 10 जून से 19 जून तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए अधिसूचना पूर्व में जारी कर दी गई है। अब विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित यूजी सेमेस्टर-1 परीक्षा की तिथि भी घोषित कर दी गई है। यह परीक्षा गर्मी की छुट्टियों के तुरंत बाद शुरू होगी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में यूजी सेमेस्टर-2 का मूल्यांकन कार्य भी प्रारंभ हो चुका है।

इसके अलावा, पीजी सेमेस्टर-4, यूजी सेमेस्टर-4, एमबीए और एमसीए सेमेस्टर-3 सहित अन्य कोर्स की आगामी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने सभी महाविद्यालयों को यह भी निर्देश दिया है कि जिन परीक्षाओं का आयोजन पहले हो चुका है, उनकी प्रायोगिक परीक्षाएं जल्द से जल्द आयोजित कर अंक शीघ्र विश्वविद्यालय को भेजे जाएं।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयकुमार साह ने कहा कि परीक्षा विभाग तेजी और गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है कि सभी विलंबित सत्रों को जल्द से जल्द नियमित किया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई एवं करियर पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि शैक्षणिक सत्र समयबद्ध तरीके से पूरा हो और विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

निर्माण कार्य तय समय के भीतर पूरे किए जाएं : हेमंत

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय के प्रकोष्ठ में ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 के दौरान चल रही परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई ।शुरूआत एक विस्तृत पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन पीपीडी के माध्यम से की गई। जिसमें विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न सड़कों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता समय-सीमा बजट व्यय की जानकारी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने अपूर्ण परियोजनाओं की सूची तैयार कर उसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया। इसके साथ ही सड़क निर्माण में पारदर्शिता एवं जन सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता देवी लाल हांसदा, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता समेत अन्य उपस्थित थे।

श्रावणी मेले में बाबा बासुकीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं करखा जाएगा ख्याल : डीसी

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को जिले केउपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर बैठक की। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को श्रावणी मेले से पहले कार्य को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। कहा कि श्रावणी मेले में बासुकीनाथ धाम आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिव गंगा की साफ-सफाई जल्द पूरा करने, कांवरिया पथ में सभी चापानला की मरम्मती, बायो टॉयलेट की व्यवस्था करने इत्यादि कई निर्देश दिए। टेंट सिटी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु विश्राम करते हैं जिसके सुरक्षात्मक दृष्टिकोण हेतु पुलिस विभाग को कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए गए। कहा कि पूर्ण मेला क्षेत्र का मैप बनाया जाएगा जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को किसी स्थान पर पहुंचने में मदद मिलेगी। मेले में अधिष्ठापित होने वाले एलईडी स्क्रीन में गर्भ ग्रह का सीधा प्रसारण कराया जाएगा। बैठक में निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित जिले के अन्य विभाग के अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

वीरता की गाथा के साथ बड़ा मैसेज भी देगी केसरी वीर, इतिहास के सबसे अहम अध्याय को समर्पित 2

जल्द ही प्रिंस धीमान निर्देशित फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी एक योद्धा का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी कहेगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी, यही फिल्म की कहानी है। यह पहली बार नहीं है कि सुनील शेट्टी किसी एक्शन फिल्म कर हिस्सा बन रहे हों, वह अपने करियर में कई एक्शन फिल्म कर चुके हैं।

आपका किरदार इतिहास से है। इसके लुक पर क्या सावधानियां रखीं?

वेगड़ा जी शिव भक्त योद्धा हैं, जिनके रुद्राक्ष, माला, केश, दाढ़ी और खास वेशभूषा उनकी पहचान हैं। पूरी फिल्म में एक ही कपड़े पहने यह किरदार आम शिवभक्त या भील राजा जैसा दिखता है। पिता के रूप में नियंत्रित, पर मुगलों के खिलाफ आक्रामक योद्धा के रूप में नजर आता है।

कहीं से कोई किरदार था, जिससे इत्पायर होकर इसे आपने निभाया?

हमने महाभारत के शूरवीरों से प्रेरित होकर भी वेगड़ा जी का किरदार डिजाइन किया है। क्लाइमैक्स में वह कालजयी रूप लेता है। वरना पूरी फिल्म में नियंत्रित दिखने वाला यह किरदार, अंत में अपने गुस्से के विस्फोट से सुनील शेट्टी नहीं, सिर्फ वेगड़ा जी के रूप में ही पहचाना जाएगा।

क्या यह भी जेहन में था कि इसका स्केल बहुत बड़ा रखा जाए?

बजट की कमी के बावजूद, हमने प्रामाणिक कैमरा वर्क, कॉस्ट्यूम, बैकग्राउंड स्कोर और शूटिंग से स्केल बनाए रखा। फिल्मसिटी के जंगलों को वॉर जोन जैसा बनाकर, कंकड़-पत्थरों और पेड़ों के बीच असली एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इसका मकसद वेगड़ा जी और हमीरजी गोहिल के वास्तविक गोरिल्ला युद्ध शैली को दिखाना है, जैसे उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों का सामना किया था। हमने जंगलों को जस का तस रखा।

शांत रोल्स के विपरीत, वेगड़ा के ललकार वाले सीन में आपने क्या सोचा था?

करो या मरो वाली स्थिति में गुस्सा स्वाभाविक है, जैसा बॉर्डर में भी था। मौत के तांडव में इंसान का आक्रामक रूप दिखता ही है। वेगड़ा जी की जगह खुद को रखकर, दुश्मन को मारने के सिवा कोई और विकल्प नहीं सूझा। एक्शन के साथ आंखों में गुस्सा लाना जरूरी था। डबिंग में आंसू थे, क्योंकि पिता अपनी बेटी को कुछ न दे पाने की हालत में जान तक देने को तैयार था।

क्या फिल्म में कोई मैसेज भी है?

हमारी फिल्म का यही संदेश है कि हमें बंटना नहीं है, एकजुट रहना है क्योंकि उस दौर में वेगड़ा जी जैसे वफादार योद्धा तो थे लेकिन कई राजा दुश्मनों से मिल गए और उनके मुखबिर बन गए, जिसका नतीजा सबको पता है।

नैरटिव की ऐतिहासिक सटीकता कितनी है?

हमारे डायरेक्टर प्रिंस धीमान बहुत सच्चे रहे हैं, हर पहलू को लेकर। सोमनाथ मंदिर पर दर्जन भर से ज्यादा बार हमले हुए। उसमें से जो चौथी बार का हमला था, हमारी कहानी उस बारे में है। युद्ध के स्केल को बड़ा दिखाने के लिए जरूर क्रिएटिव कोशिशें हुई हैं, मगर जो वेगड़ा जी का अपनी बेटी के प्रति एक बेपनाह प्यार था, वह बिल्कुल सच्चा रखा गया है।

यश ने शुरू की 'रामायण' की शूटिंग

अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टंट डायरेक्टर भी साथ आये

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' की शूटिंग इन दिनों तेजी से चल रही है। रणबीर कपूर और साई पल्लवी पिछले कुछ महीनों से अपने-अपने हिस्सों की शूटिंग में व्यस्त हैं। अब इस महाकाव्य फिल्म से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेता यश ने भी शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह रावण की भूमिका निभा रहे हैं। चूंकि रणबीर और यश के किरदार कहानी में आमने-सामने होंगे, लेकिन उनके दृश्यों की शूटिंग अलग-अलग हो रही है। यह फिल्म दो भागों में बनाई जा रही है, और पहले भाग की शूटिंग फिलहाल जोर-शोर से जारी है। 'रामायण' के एक्शन दृश्यों को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसके पीछे एक बड़ी वजह है कि फिल्म की टीम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टंट डायरेक्टर गाय नोरिस जुड़ गए हैं। उन्होंने इससे पहले 'मैड मैक्सः फ्यूरी रोड' और 'फ्यूरियोसाः ए मैड मैक्स सागा' जैसी हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्मों में एक्शन का निर्देशन किया है। इस वक्त गाय नोरिस भारत में हैं और फिल्म 'रामायण' की शूटिंग में पूरी तरह व्यस्त हैं। हाल ही में सेट से सामने आई कुछ तस्वीरों में उन्हें अभिनेता यश को एक्शन शॉट्स समझाते हुए देखा गया है। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है और अब फैंस को फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस की झलक का बेसब्री से इंतजार है। इन अपडेट्स से यह साफ है कि 'रामायण' सिर्फ एक विजुअल ट्रीट नहीं बल्कि एक भव्य एक्शन एक्सपीरियंस भी होने जा रही है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। खबर है कि इसका पहला भाग अगले साल दिवाली के आसपास सिनेमाघरों में दस्तक दे सकता है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्री राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। टीवी अभिनेता रवि दुबे के लक्ष्मण की भूमिका निभाने की चचाएं भी तेज हैं। खुद रवि ने यह भी पुष्टि की है कि सनी देओल हनुमान का दमदार किरदार निभाएंगे। इसके अलावा, फिल्म में कई बड़े सितारे अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का बजट भी काफी भव्य है, रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'रामायण' का बजट करीब 835 करोड़ रुपये है, जिससे यह भारत की अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बन जाती है।

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में फिर खरीदी 40 करोड़ की जमीन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन पिछले कई दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। अपने करियर में सैकड़ों सुपरहिट फिल्में देने वाले अमिताभ बच्चन एक समय दिवालिया हो गए थे, लेकिन अब उनके पास हजारों करोड़ की संपत्ति है। उन्होंने अब तक मुंबई में कई संपत्तियां खरीदी हैं। पिछले साल से वे राम जन्मभूमि अयोध्या में भारी निवेश कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में पहले ही तीन प्लॉट खरीद लिए थे और अब उन्होंने चौथा प्लॉट भी खरीद लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमिताभ ने 25,000 वर्ग फीट का प्लॉट खरीदा है, जिसकी कीमत 40 करोड़ रुपये है। अमिताभ बच्चन का खरीदा गया नया प्लॉट सरयू नामक रियल एस्टेट विकास क्षेत्र में है। बिग बी ने पहले भी यहां निवेश किया था। अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक रियल एस्टेट फर्म में 10-10 करोड़ रुपये का निवेश किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल राम मंदिर के उद्घाटन से पहले उन्होंने अयोध्या में 5,372 वर्ग फीट का प्लॉट खरीदा था, जिसके लिए उन्होंने 4.54 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। उन्होंने सरयू रियल एस्टेट में 14.5 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने शहर में 54,000 वर्ग फुट का एक भूखंड भी खरीदा है, जो उनके पिता हरिवंश राय बच्चन के ट्रस्ट के तहत पंजीकृत है। कहा जा रहा है कि बिग बी इस जमीन पर अपने पिता की याद में एक स्मारक बनवाने की योजना बना रहे हैं। बच्चन परिवार की संपत्तिबच्चन परिवार पिछले कई वर्षों से प्रॉपर्टी में निवेश कर रहा है। 2024 में अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन के साथ मिलकर 25 करोड़ रुपये के 10 अपार्टमेंट खरीदे। अभिनेत्री और राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने अपनी कुल संपत्ति घोषित की है। चुनावी हलफनामे में दी गई जानकारी के अनुसार, उनके और अमिताभ बच्चन के पास संयुक्त रूप से 1,578 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उनके पास 849.11 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 729.77 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। अमिताभ बच्चन ने हाल ही में मुंबई के अंधेरी इलाके में एक संपत्ति 83 करोड़ रुपये में बेची। उन्होंने इसे 2021 में 31 करोड़ रुपये में खरीदा था। अमिताभ बच्चन की आय के स्रोत की बात करें तो वह फिल्मों, विज्ञापनों और कौन बनेगा करोड़पति की मेजबानी करके पैसा कमाते हैं।

रिश्ते में दोस्ती ढूंढ लें तो वो लंबा चलेंगे

राजकुमार राव अपनी जबरदस्त ऐक्टिंग की बदौलत फैंस के दिलों में राज कर रहे हैं। उन्होंने हमेशा अपने काम में विविधता रखी है, इसी वजह से उन्हें ढेर सारे कॉमिक किरदार निभाने के बावजूद कभी टाइपकास्ट होने का डर नहीं सताया। एक ओर जहां तमाम बॉलिवुड स्टार्स, साउथवालों के साथ मिलकर कोलैब कर रहे तो वहीं राजकुमार भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अपने पार्टनर के साथ दोस्ती बनाए रखना क्यों जरूरी है।

अपने काम में हमेशा विविधता रखी है

राज ने अपने करियर में कई कॉमिक किरदार किए हैं। ऐसे में क्या उनके मन में कभी टाइपकास्ट होने का खयाल आया? इसके जवाब में ऐक्टर कहते हैं कि ऐसा कभी नहीं हुआ। पिछले साल मैंने श्रीकांत बोल्ला की बायॉपिक की थी। इस साल 'मालिक' आएगी, जो कि ऐक्शन पैक्ड फिल्म है। हमेशा मैंने अपने काम में विविधता रखी है। रही बात कॉमिडी की तो उसके लिए अच्छा लिखा होना बेहद जरूरी है। उसके बिना एक ऐक्टर को आप बोलें कि किसी सीन को फनी बना दो तो वो बहुत मुश्किल हो जाएगा। जब तक राइटिंग में कॉमिडी नहीं होगी, तब तक एक ऐक्टर के बस में नहीं है कि वो अकेले इतना कुछ कर सके।

मौका मिला तो साउथ इंडस्ट्री में काम करूंगा

तमाम बॉलिवुड स्टार्स, साउथ ऐक्टर, डायरेक्टर के साथ कोलैब कर रहे हैं। इस बातचीत में अभिनेता ने अपना इरादा भी स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि ईमानदारी से कहूं तो अभी तक मेरे पास ऐसा कोई मौका आया नहीं है। साउथ इंडस्ट्री में बहुत टैलंट है। बहुत सारे अच्छे-अच्छे ऐक्टर-डायरेक्टर हैं, जिसमें लिजो और मणिरत्नम जैसे नाम शामिल हैं। भ?विष्य में अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं जरूर उनके साथ काम करना चाहूंगा।

अपने पार्टनर के साथ दोस्ती बनाए रखना जरूरी है

मेरा और पत्रलेखा का दिल तो कई साल से जुड़ा हुआ है। हमारे रिश्ते के 15 साल पूरे होने वाले हैं। मैं यही मानता हूं कि समय कम मिले चलेगा लेकिन दिल हमेशा मिले रहना ज्यादा जरूरी है। अब हम एक अलग मुकाम पर पहुंच चुके हैं। काम में व्यस्त होने की वजह से कई बार हम एक महीने तक नहीं मिल पाते लेकिन हमें एक-दूसरे की अहमियत पता है। हर रिश्ते की शुरुआत प्रेम से होती है। कई बार यही शादी में बदल जाती है जैसा कि हमारे साथ हुआ। हालांकि, अपने पार्टनर के साथ दोस्ती बनाए रखना बहुत जरूरी है। जैसे हम कई बार दोस्तों के साथ होते हैं तो समय का पता नहीं चलता, उसी तरह अगर आप अपने रिश्ते में भी दोस्ती ढूंढ लें तो वो लंबा चल जाता है।

टाइटल का रोचक होना मायने रखता है

मुझे फिल्म के टाइटल नहीं, कहानी आकर्षित करती है। हालांकि, मेरी फिल्मों के टाइटल काफी रोचक होते हैं। यह बात एकदम सच है कि टाइटल का रोचक होना बहुत मायने रखता है क्योंकि वही पहली चीज होती है, जो ऑडियंस के पास जाती है। ऐसे में आपकी जिम्मेदारी बनती है कि मजेदार टाइटल सोचा जाए, जिससे वो ज्यादा से ज्यादा लोगों के जेहन में बस सके। बाकी मेरी लिए कहानी का मजबूत होना ज्यादा अहम है। अगर मुझे कहानी पसंद आ जाती है तो फिर मैं फिल्म करने के लिए हां कर देता हूं।

सरकारी नौकरी करता तो आईएएस बनता

राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ का एक डायलॉग है कि दो महीने में सरकारी नौकरी ले आओ। ऐसे में जब उनसे यह सवाल किया गया कि वाकई में अगर आपको सरकारी नौकरी मिलती तो आप क्या बनते? इस पर ऐक्टर ने कहा कि मुझे फिल्म शादी में जरूर आना में डीएम सत्येंद्र शुक्ला (आईएएस अफसर) बनकर बड़ा मजा आया था। हकीकत में, मुझे मौका मिलता तो आईएएस अफसर ही बनता। उनकी फिल्म की कहानी टाइम लूप पर आधारित है। ऐसे में जब राजकुमार से पूछा गया कि अगर आपको पीछे जाकर कुछ बदलने का मौका मिले तो क्या बदलना चाहेंगे। इस पर अभिनेता ने कहा कि मैं अपने पैरंट्स का लॉस बदलना चाहूंगा। इसके अलावा, मेरे फिल्म स्कूल (एफटीआईआई) के दिन हमेशा जेहन में रहते हैं। पत्रलेखा के साथ गुजारे ट्रैवलिंग के दिनों को मैं बहुत याद करता हूं। साथ ही हमारी शादी के जो तीन दिन के कार्यक्रम थे, उन्हें भी मैं कभी नहीं भूल सकता हूं। चाहता हूं कि वो दिन बार-बार लौटकर आएं।

अनुभव सिन्हा से इस बारे में बात करूंगा

फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ राज ने फिल्म भीड़ में काम किया था। हाल ही में फिल्ममेकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि फिल्में दो तरह की बन रही हैं। एक बड़े पर्दे तो दूसरी ओटीटी के लिए। इस पर राज ने कहा कि वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं लेकिन इस मामले पर अभी मेरी उनके कोई बात नहीं हुई है। अभी उस पोस्ट में उन्होंने पूरी जानकारी भी नहीं दी है। वह इस बारे में आगे और भी बात करेंगे। उनसे बात करके ही बता पाऊंगा आखिर उन्होंने ऐसा क्या सोच कर लिखा है। हो सकता है कि कुछ ऐसा हुआ हो उनके साथ तो उन्हें लगा हो कि ऐसा लिखना चाहिए या हो सकता है कि उन्होंने किसी को स्पष्ट करने के लिए ऐसा किया हो।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत ने मारी जोरदार छलांग

पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

एजेंसी

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन गुरुवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4७400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4७400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया।

चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती

अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है।

कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल

चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया।

अब सबकी निगाहें 31 मई पर

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इजाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, 'न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।'

रायपुर : मुख्यमंत्री ने 'सावरकर सौरभ' स्मारिका का किया विमोचन

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शुक्रवार को अपने निवास कार्यालय में स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित स्मारिका 'सावरकर सौरभ' का विमोचन किया। स्मारिका 'सावरकर सौरभ' का प्रकाशन अखिल भारतीय साहित्य परिषद, छत्तीसगढ़ द्वारा सावरकर जयंती के अवसर पर किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने 'सावरकर सौरभ' स्मारिका के प्रकाशन पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद, छत्तीसगढ़ के सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए

कहा कि वीर सावरकर हमारे देश के सच्चे सपूत थे। उन्होंने मातृभूमि की सेवा में असंख्य कष्ट सहते हुए स्वतंत्रता की अलख जगाई। उनके साहसपूर्ण जीवन के प्रेरणादायी संस्मरणों से सभी को प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री को 'सावरकर सौरभ' के संपादक और अखिल भारतीय साहित्य परिषद छत्तीसगढ़ के प्रांत संयोजक प्रभात मिश्र ने बताया कि इस स्मारिका में स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर के जीवनकाल की घटनाओं को संपादित कर स्मारिका का रूप दिया गया है। स्मारिका में विभिन्न लेखकों ने वीर सावरकर के जीवन के विभिन्न आयामों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए हैं। इस अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद, छत्तीसगढ़ से रामेश्वर शर्मा, शिवरतन गुप्ता, मनीष शर्मा, संतोष बरलोटा, भास्कर किन्हेकर , अभय मिश्रा, कौशल साहू सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

जांजगीर चांपा में नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक पाण्डेय ने जनरल परेड का किया निरीक्षण

एजेंसी

कोरबा/जांजगीर चांपा : रक्षित केंद्र जांजगीर में आज शुक्रवार को जनरल परेड का आयोजन किया गया, जिसमें जिसमें नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने रक्षित केंद्र में आयोजित जनरल परेड का निरीक्षण किया । इसके बाद उन्होंने परेड की सलामी ली। परेड निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारियों के टर्नआउट का निरीक्षण एवं टोलीवार परेड कराया गया, जिसमें उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया गया। परेड समाप्ति के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने अधि/कर्म. को कानून

सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी में आवश्यक जानकारियां देते हुए बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार, डीएसपी जितेंद्र खूंटे, डीएसपी कविता ठाकुर, डीएसपी मुख्यालय विजय पैकरा उपस्थित रहे।

मेडिकल इमरजेंसी में मदद कें लिए एम्स भोपाल ने कोड इमरजेंसी मोबाइल ऐप शुरू किया

एजेंसी

भोपाल : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल द्वारा विश्व आपातकाल दिवस पर जीवन रक्षक मोबाइल एप्लीकेशन ह्यकोड इमरजेंसीह्न लॉन्च किया है। अब आनेवाले समय में वन स्टेट, वन हेल्थ और वन इमरजेंसी नीति पर आधरित यह मोबाइल ऐप मेडिकल इमरजेंसी में संजीवनी साबित होगा, यह उम्मीद लगाई जा रही है। वहीं यह ऐप डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ आमजन के लिए भी बेहद उपयोगी बताया जा रहा है। इस संबंध में एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने शुक्रवार को बताया कि यह ऐप आम जनता और चिकित्सा पेशेवरों दोनों के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकता है। इसकी मदद से आम व्यक्ति भी मेडिकल इमरजेंसी में पीड़ित की जान बचाने में सक्षम बन सकता है। अभी यह दो भाषाओं खासकर हिंदी और अंग्रेजी में उपलब?ध है। इसे आप चिकित्सा पेशेवरों के लिए

क्रांतिकारी ऐप मान सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि कोड इमरजेंसी मोबाइल ऐप निर्माण के आरंभ कि चरण की शुरूआत पिछले साल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की थी। जो कि इंटरनेट-फ्री और द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) है। ऐप में ऑडियो-विजुअल निर्देशों के जरिए (Cardio-Pulmonary Resuscitation) सीपीआर सिखाया जाता है। सभी आयु समूहों के लिए अलग-अलग निर्देश उपलब्ध हैं। इसका ऑफलाइन उपयोग एक बार डाउनलोड करने के बाद बिना इंटरनेट के भी होता रहता है। जिसमें कि समझाने के लिए सीपीआर गाइडेंस उपलब्ध है, जहां वीडियो व ऑडियो के जरिए स्टेप-बाय-स्टेप आप समझ सकते हैं । ऐप में ड्रॉपडाउन मेनू के जरिए विभिन्न आपात स्थितियों के लिए आसान जानकारी उपलब्ध कराई गई है ।

राजगढ़ : फर्जी अनुमति के सहारे अजनार नदी लगे किनारे हरे भरे विशालकाय पेड़ काटे

एजेंसी

राजगढ़ : ब्यावरा शहर के बीचो बीच से निकली अजनार नदी वैसे ही अपनी बदहाली में है, ऐसे में जो मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए नदियों के किनारे पेड़ लगाए जाते है, वह चंदरुपयों के लालच में काटकर बेच देने का प्रकरण सामने आया है। दरअसल, नदी के किनारे स्थित भूमि को स्वयं की बताकर सालों पुराने लगे विशालकाय इमली, कंजी, बबूल, पीपल सहित अन्य 30 से अधिक वृक्षों को काट डाला गया, जिसके ठूंठ हकीकत बयान कर रहे हैं। अब भूमि के शामिलात खातेदार ने इसकी शिकायत थाना सहित राजस्व विभाग से की है। मामले में भूमि के शामिलात खातेदार महेश पुत्र पुरुषोत्तम कुशवाह निवासी बखतपुरा ने शिकायत आवेदन किया है कि पंजाबी नर्सिंग होम के पीछे उसकी शामिल भूमि 0.1940 हैक्टेयर लगान 1.77 पैसे की है। भूमि पर इमली, सीताफल, रामफल, बोर, कंजी, इलायची,कदम, पीपल सहित

हरेभरे 30 वृक्ष लगे थे। भूमि पर लगे हरेभरे पेड़ों को मोतीलाल पुत्र लक्ष्मीचंद कुशवाह रिटायर्ड पटवारी, रमेश कुशवाह ने बिना उसकी अनुमति के कोली मौहल्ला निवासी आरा मशीन वाले मोहन पुत्र कालूराम शाक्यवार को विक्रय कर दिए। ये सभी पेड़ मशीन द्वारा काट दिए हैं। शिकायत मिलने के बाद तहसीलदार सुभाष आलवे का कहना है कि इस संबंध में जानकारी सामने आने पर संबंधित पटवारी द्वारा मौके पर पहुंचकर पंचानामा तैयार कर जांच शुरू की गई है । जांच के आधार में मामले में कार्रवाई की जाएगी। वहीं, हरेभरे वृक्षों को बेचने वाले मोतीलाल कुशवाह का कहना है उसने स्वयं की भूमि पर लगे पेड़ों को काटने की अनुमति नगरपालिका से ली है, तभी उनका विक्रय किया गया है। खरीददार मोहन शाक्यवार का कहना है कि उसने नगरपालिका की अनुमति के बाद ही पेड़ों को काटा है।

दूसरी ओर नगरपालिका सीएमओ का कहना है मेरे द्वारा कोई अनुमति नहीं दी गई है, जबकि मोतीलाल कुशवाह पर अनुमति पत्र मौजूद है, जिसमें 15 मई को सीएमओ इकरार अहमद के द्वारा अनुमति दी गई है। अनुमति पत्र में निम्न शर्ते लिखित हैं, पेड़ काटने के दौरान जनहानि का दायित्व स्वयं का होगा। स्वयं के खर्चे पर कटवाए जाएंगे। काटे गए पेड़ के स्थान पर 20 वृक्ष अपनी जिम्मेदारी से लगाना अनिवार्य होगा, जिनका पालनपोषण स्वयं को करना होगा। वाद-विवाद की जिम्मेदारी स्वयं की होगी। साथ ही लिखित है कि स्वयं की भूमि पर लगे कटीले, नुकीले अनुपयोगी झाड़ एवं बबूल, उरन एवं इमली के पेड़ काटने की अनुमति दी जाती है।

अरब सागर से आ रही नमी ने बदला मौसम, आंधी-बारिश से राहत, दो-तीन दिन तक रहेगा असर

एजेंसी

जयपुर : अरब सागर में बने सिस्टम से आ रही नमी भरी हवाओं के कारण राजस्थान के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राज्य के कई जिलों में बादल छाने, तेज आंधी और बरसात के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार को दिनभर मौसम बदला-बदला रहा, जिससे गर्मी से राहत मिली। वहीं, शुक्रवार को भी 18 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। राजधानी जयपुर में भी सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। गुरुवार को बीकानेर, सीकर, करौली, बाड़मेर और जैसलमेर समेत कई जिलों में बारिश हुई। कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी भी चली। बाड़मेर में शाम को करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई, जिससे विवेकानंद सर्किल पर पानी भर गया और कारों के पहिए तक डूब गए। बाड़मेर में एक मकान पर पेड़ गिर गया और एक घर का टेंट तेज हवा के कारण उड़कर मोबाइल टावर के पास जा पहुंचा। जैसलमेर के रामदेवरा में तेज हवा के कारण कई दुकानों के टीनशेड उड़ गए। करौली जिले के श्रीमहावीरजी कस्बे में एक मकान की पट्टियां गिरने से आठ साल का बच्चा घायल हो गया। बच्चे को सिर और कंधे पर चोटें आईं और उसे टांके लगाने पड़े। जिले के नादौती और गुढ़ाचंद्रजी क्षेत्र में धूल भरी आंधी के कारण विजिबिलिटी काफी कम हो गई। हिंडौन सिटी और सीकर में भी तेज हवाएं और धूलभरी आंधी चली। कई जगहों पर दुकानों और घरों के टीन शेड उड़ गए। लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शिक्षक भर्ती अधिसूचना के बाद भड़का आंदोलन

सचिवालय घेराव करेंगे बर्खास्त शिक्षक

एजेंसी

कोलकाता। राज्य सरकार द्वारा शिक्षक नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी होते ही आंदोलन की चिंगारी भड़क उठी है। गुरुवार रात स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) ने पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में कक्षा नौ-दस और 11-12 के लिए सहायक शिक्षकों की भर्ती का अधिसूचना जारी किया। वहीं दूसरी ओर, 2016 की रद्द हुई पैनल के 'योग्य' शिक्षकों ने अब आंदोलन तेज कर दिया है।

इन शिक्षकों ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नवान्न की ओर अर्धनग्न होकर मार्च निकालने का ऐलान किया है। 'योग्य शिक्षक-शिक्षिका अधिकार मंच' के बैनर तले यह विरोध प्रदर्शन आयोजित

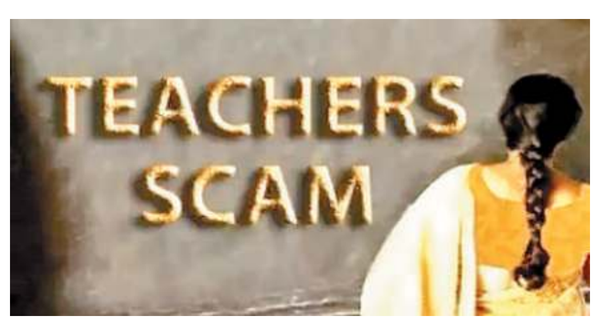

किया जाएगा। मंच के प्रतिनिधि चिन्मय मंडल ने बताया कि शुक्रवार सुबह 11 बजे सियालदह स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा होगा और वहां से नवान्न तक अर्धनग्न रैली निकाली जाएगी। शुक्रवार सुबह से ही स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने लगी है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में 2016 के शिक्षक पैनल को रद्द करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि 31 मई तक नई भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जाए। उसी निर्देश का पालन करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा था कि 30 मई को नोटिफिकेशन प्रकाशित किया जाएगा। एसएससी ने समय पर अधिसूचना तो जारी कर दी, लेकिन इसी के साथ उन शिक्षकों का गुस्सा भी फूट पड़ा, जिन्होंने पहले ही परीक्षा देकर अपनी योग्यता साबित की थी।

प्रदर्शनकारी शिक्षकों का कहना है कि वे एक बार पहले ही चयनित हो चुके हैं, इसलिए दोबारा परीक्षा में बैठना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ है। मुख्यमंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को मानना ही होगा और सभी को फिर से परीक्षा देनी होगी। लेकिन शिक्षक अपने पुराने पैनल के आधार पर बहाली की मांग पर अड़े हुए हैं। राज्य सरकार इन शिक्षकों को अन्य विभागों में नियुक्ति देने का भी प्रस्ताव दे चुकी है और मुख्यमंत्री ने धैर्य रखने की अपील की है। बावजूद इसके, शुक्रवार को नवान्न घेराव के जरिए शिक्षकों का गुस्सा खुलकर सामने आने वाला है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव
उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार में मजबूती भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का

कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल, बजाज फिनसर्व, कोल इंडिया, जियो फाइनेंशियल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.49 प्रतिशत से लेकर 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, टेक महिंद्रा, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.31 प्रतिशत से लेकर 1.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,408 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,087 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,321 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 21 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 167.33 अंक की कमजोरी के साथ 81,465.69 अंक के स्तर पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 81,414.02 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 81,698.21 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 109.67 अंक की गिरावट के साथ 81,523.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 21 अंक टूट कर 24,812.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक गिरकर 24,780 अंक तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 24,863.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 60.95 अंक की कमजोरी के साथ 24,772.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 320.70 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,633.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 81.15 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,833.60 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

कोरबा में हाथी ने ग्रामीण को कुचला

कोरबा । जिले के कटघोरा वन मंडल अंतर्गत पसान वन परिक्षेत्र के ग्राम बनिया में गुरुवार की देर रात हाथी ने 38 वर्षीय युवक तीजराम धोबी को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वहीं हादसे के बाद मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम ने पंचनामा तैयार कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी डीएफओ एवं पसान रेंजर रामनिवास दहायत ने बताया कि ग्राम मुरली थाना हरदीबाजार कोरबा निवासी तीजराम धोबी (38)अपने ससुराल में काम करने के उद्देश्य से अपनी पत्नी के साथ गया हुआ था। गुरुवार की देर शाम ठीहाईपारा से ईंट भट्टा में काम कर खेत के मध्य बने पगडंडी रास्ते से होकर सायकल से ग्राम बनिया लौट रहा था। ग्राम बनिया के दिनेश और सुखनंदन भी साथ मे जा रहे थे, दोनों ने सामने दो(2) हाथी को देख किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल हो गए । पीछे आ रहा तीजराम भागने में असफल रहा, जिसे हाथी ने कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। खबर मिलते ही वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचकर पंचनामा आदि तैयार कर कार्रवाई की। ज्यादा रात होने के कारण आज अन्य कार्रवाई की गई। सूचना मिलते ही कोरबी चौकी प्रभारी सुरेश जोगी ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वैधानिक कार्रवाई की। ग्राम के संतोष महंत ने बताया कि दतैल हाथी आसपास के क्षेत्र में मंडरा रहा है, जिससे ग्राम में दहशत बनी हुई है। प्रभारी डीएफओ एवं पसान रेंजर रामनिवास दहायत के अनुसार घटना रात में होने से कार्रवाई आज पूरा की गई। मृतक के पत्नी सुनीता बाई को तत्काल 25 हजार रुपये सहायता राशि दे दी गई है, शेष 5.75 लाख रुपये सभी औपचारिकता पूर्ण करने के बाद दे दिया जाएगा।

ममता बनर्जी ने ॠतुपर्णो घोष को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रख्यात फिल्म निर्देशक, अभिनेता और लेखक ॠतुपर्णो घोष को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक ॠतुपर्णो घोष को उनकी पुण्यतिथि पर मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। जब तक सिनेमा का माध्यम जीवित है, लोग उनके नाम को सम्मान के साथ याद रखेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'ॠतु, हम तुम्हें भूले नहीं हैं, हम तुम्हें कभी नहीं भूलेंगे।' बता दें कि ॠतुपर्णो घोष का निधन 30 मई 2013 को हुआ था। उन्होंने अपने करियर में 12 राष्ट्रीय पुरस्कारों सहित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए। बंगाली सिनेमा में उनके नवोन्मेषी योगदान को बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। ॠतुपर्णो घोष न केवल एक संवेदनशील निर्देशक के रूप में, बल्कि समाज के विभिन्न पहलुओं को लेकर जागरूकता फैलाने वाले एक विचारशील कलाकार के रूप में भी पहचाने जाते हैं।

205 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एसएसबी ने तस्कर को किया पुलिस के हवाले

अररिया। एसएसबी 56वीं बटालियन के बेला समवाय की टीम ने गुरुवार की शाम 205 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। तस्कर के पास से काला प्लास्टिक में 205 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया।गिरफ्तार तस्कर बसमतिया थाना क्षेत्र बेला गांव के वार्ड संख्या 8 का रहने वाला 45 वर्षीय उमेश शर्मा उर्फ उमेश खतवे पिता सोमी शर्मा उर्फ सोमी खतवे है। एसएसबी के सहायक अवर निरीक्षक नन्द लाल वर्मा के नेतृत्व छह सदस्यों की टीम ने बेला वार्ड संख्या 7 में भारत नेपाल सीमा क्षेत्र से दस मीटर की दूरी पर भारतीय क्षेत्र में यह कार्रवाई की।तस्कर ब्राउन शुगर को भारत से नेपाल लेकर जा रहा था।एसएसबी ने जब्त ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार तस्कर को बसमतिया थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है,जहां पुलिस गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ कर रही है।

जयपुर में दो कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर : जयपुर के फैमिली कोर्ट और मेट्रो कोर्ट को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी दी गई । मेल से मिली धमकी के आधार पर पुलिस ने कोर्ट परिसर को खाली करा दिया है। साथ ही मौके पर पुलिस पहुंच गई है। पुलिस के अफसर और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। पूरे कोर्ट परिसर को तलाश किया जा रहा है । मेल भेजने वाले ने दोपहर दो बजे तक कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी है। टोंक रोड स्थित महिला आयोग के ऑफिस के पास स्थित फैमिली कोर्ट परिसर में जैसे ही यह जानकारी मिली की कोर्ट में बम रखा हुआ है, तो वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्टाफ ने तुरंत पुलिस अधिकारियों की सूचना दी । इसके बाद कोर्ट परिसर सहित राज्य महिला आयोग के ऑफिस को भी खाली कर लिया गया। पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार फैमिली कोर्ट में अधिकांश पारिवारिक मामले ही आते हैं ,हो सकता हो आज किसी की पेशी हो बुलाया हो और उसने उससे बचने के लिए ऐसी हरकत की हो। इन तमाम पहलुओं पर पुलिस कम कर रही है। साइबर टीम मेल के आधार पर जल्दी ही आरोपितों को पकड़ लेगी।

आतंक के विरुद्ध रणनीति पर विश्वम में हुआ मंथन

जयपुर : जियो पोलिटिकल और डिप्लोमेसी डायलॉग प्लेटफॉर्म विश्वम द्वारा आयोजित ऑपरेशन सिंदूर के परिप्रेक्ष्य में रक्षा विशेषज्ञों का राउंड टेबल संवाद कार्यक्रम जयपुर में आयोजित हुआ। संवाद में आतंकवाद, राष्ट्रीय रणनीति और नागरिक जिम्मेदारी पर व्यापक मंथन हुआ। कार्यक्रम में सेना के पूर्व अधिकारियों, राजनयिकों, शिक्षाविद, सामाजिक नेता, विषय विशेषज्ञ और युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विश्वम के संस्थापक विक्रांत सिंह ने संस्था के उद्देश्य स्पष्ट किए। उन्होंने युवाओं में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के लिए संवाद को प्रथम कदम बताया। की नोट स्पीच में सेवा-निवृत्त पूर्व राजनयिक और लेखक गौरी शंकर गुप्ता ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी नेटवर्क के उभरने का इतिहास बताते हुए कहा कि अफगानिस्तान से सोवियत सेना के हटने के बाद पाकिस्तान ने आतंकवाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने 26/11 मुंबई, 9/11 न्यूयॉर्क, मैड्रिड ट्रेन बम धमाके व लंदन अंडरग्राउंड हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत अब किसी भी आतंकी हमले को युद्ध की कार्रवाई मानेगा।

जनता का विश्वास, हमारी ताकत है : डीआईजी नौशाद आलम

नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने की अपील, संगठित अपराधियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई का एलान

बिनय मिश्रा

पलामू प्रमंडल के 33 वें पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) नौशाद आलम अंसारी एक संवेदनशील, अनुशासित और जनपक्षधर पुलिस अधिकारी हैं। वे जन-संवेदना को प्राथमिकता देने और पुलिस को जनता के करीब लाने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। उनका फोकस पुलिस-जन सहयोग, कानून व्यवस्था की मजबूती और संगठित अपराध पर सख्ती से कार्रवाई पर है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और मुख्यधारा में वापसी की पहल उनके कार्य की एक अहम विशेषता है। उनका मानना है कि झारखंड के समग्र विकास के लिए पुलिस, प्रशासन और आम नागरिकों को मिलकर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। डीआईजी के रूप में योगदान देने के पश्चात प्रस्तुत है उनसे बातचीत के प्रमुख सारांश

प्रश्नः पलामू प्रमंडल में आपकी प्राथमिकताएं क्या रहेंगी?

उत्तरः जनता की समस्याओं का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है। पुलिस को सरल और सौम्य तरीके से काम करना होगा, ताकि पीड़ित ग्रामीणों का विश्वास जीता जा सके।

प्रश्नः पुलिस और आम जनता के बीच दूरी कैसे कम की जाएगी?

उत्तरः पुलिस को ‟पीपुल फ्रेंडली‟ बनाना होगा। जनता के बीच एक्सेस बढ़े, इसके लिए संवाद, सहयोग और संवेदनशीलता जरूरी है।

प्रश्नः क्या समाज के हर वर्ग को साथ लेने की कोशिश की जाएगी?

उत्तरः बिल्कुल। समाज में कुछ असामाजिक तत्व होते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो उनसे परेशान हैं। हमें उन्हीं का भरोसा जीतना है।

प्रश्नः लापरवाह पुलिसकर्मियों पर क्या कार्रवाई होगी?

उत्तरः जो पुलिस अधिकारी कसौटी पर खरे नहीं उतरेंगे, उन पर सख्त कार्रवाई होगी। शिकायत मिलते ही तत्काल कदम उठाए जाएंगे।

प्रश्नः नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को लेकर आपकी क्या रणनीति है?

उत्तरः मैंने नक्सलियों से अपील की है कि वे सरकार की पुनर्वास योजनाओं का लाभ लें और मुख्यधारा में लौटें। जंगल में रहकर वे अपना और समाज का कोई भला नहीं कर सकते।

प्रश्नः अगर वे नहीं लौटे तो?

उत्तरः फिर पुलिस की शक्ति से उनका मुकाबला किया जाएगा। लेकिन हमारी कोशिश है कि वे खुद लौटकर समाज में योगदान दें।

प्रश्नः झारखंड के विकास में पुलिस की भूमिका क्या हो सकती है?

उत्तरः हम सभी झारखंडी हैं। जब तक सब मिलकर काम नहीं करेंगे, झारखंड का विकास संभव नहीं। हर व्यक्ति और संस्था को अपनी भूमिका रेखांकित करनी होगी।

प्रश्नः संगठित अपराध को लेकर क्या विशेष कदम उठाए जाएंगे?

उत्तरः ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के खिलाफ हमारी कार्यवाही तेज होगी। चिन्हित अपराधियों पर फोकस करते हुए कार्रवाई की जाएगी। कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रश्नः क्या यह अभियान लगातार जारी रहेगा?

उत्तरः हां, संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान निरंतर तेज गति से चलता रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

नवनियुक्त पुलिस कप्तान हारिश बिन जामां ने पदभार ग्रहण किया

गुमला : गुमला जिला के नवनियुक्त पुलिस कप्तान हरिश बिन जामां ने पदभार ग्रहण किया, गुमला के निवर्तमान पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर नवनियुक्त पुलिस कप्तान हारिश बिन जामां का स्वागत करते हुए, अपना पदभार सौंपा, इस अवसर पर गुमला पुलिस कप्तान हारिश बिन जामां ने कहां की मेरी पर प्राथमिकता सभी को न्याय दिलाना, जिले में अमन चैन की बहाली, और कार्यालय में बैठकर नहीं बल्कि लोगों के बीच पहुंच कर, स्वतंत्र पुलिसिंग करेंगे, नक्सलवाद, अपराध, अंधविश्वास और नशा मुक्त जिला बनाने मेरा मुख्य उद्देश्य होगा, गुमला जिला नक्सल प्रभावित जिला रहा है और नक्सलवाद एक गंभीर समस्या रही है, पूर्व में नक्सलवाद के खत्में को लेकर कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं , जिससे जिले में नक्सलियों का मनोबल टूटा है , इस जिले में नक्सलियों को पान अपने नहीं दिया जाएगा नक्सलवाद को पूरी तरह खात्में के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा, जिले में अपराधिक घटनाओं और अंधविश्वास से जुड़ी घटनाओं में शक्ति से रोक लगाई जाएगी , नशे से जुड़े अवैध कारोबार , तस्कर और तस्करी, पर नकेल करते हुए , किसी को भी शख्सा नहीं जाएगा क्योंकि नशे और नशेड़ियों से अपराध का जन्म होता हैं, इस अवसर पर ज़िले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के पुलिस पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थें।

रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों ने नव नियुक्त उपायुक्त सह अध्यक्ष का किया अभिनन्दन

दुमका : जिले के नवपदस्थापित उपायुक्त सह अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी अभिजीत सिन्हा को समाहरणालय स्थित कार्यालय में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रबंधन समिति के पदाधिकारीओं ने गुरुवार को औपचारिक मुलाकात कर पुष्प गुच्छ देकर अभिनन्दन किया। इसमें सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. राज कुमार उपाध्याय, सचिव डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव, वाइस चेयरमैन डॉ. मनोज कुमार घोष, संयुक्त सचिव धर्मेंद्र सिंह बिट्टू व डॉ. सिकंदर कुमार, कार्यकारिणी सदस्य उज्ज्वल कुमार दास, मणि केशरी, अरविन्द कुमार आदि शामिल थे। सचिव डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि उपायुक्त सह अध्यक्ष को सोसायटी द्वारा किये गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दिया गया। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के भवन के जीर्णोद्धार सोसाइटी का एंबुलेंस स्वास्थ्य विभाग से तत्काल वापस कराने, रक्त की अनुपलब्धता को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित कराने का आग्रह किया गया। इस पर उपायुक्त सह अध्यक्ष ने सोसाइटी के लिए फण्ड सृजन, आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने, ब्लड बैंक में रक्त की कमी को दूर करने के लिए कैलेंडर का निर्माण कर जिले के विभिन्न संस्थाननों, प्रखंड मुख्यालयओं, कॉलेजों आदि स्थानों पर अभियान चला कर रक्तदान सिविर लगाने और नियमित रूप से बैठक करने निर्देश दिया। उन्होंने कहा आप लोग कार्यक्रम करें संसाधन की कमी नहीं होने देंगे। अध्यक्ष से मुलाकात के बाद समिति के सभी पदाधिकारीगण काफी उत्साहित नजर आ रहे थे।

शविर में रक्त एवं प्लाज्मा डोनेट किया

जमशेदपुर : भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा लगातार रक्तदान हेतु रक्तदाताओं को प्रेरित किया जा रहा है। वहीं इस क्रम में जरूरतमंद लोगों के लिए ब्लड कम्पोनेन्टस की उपलब्धता हेतु लगातार एसडीपी (सिंगल डोनर प्लेटलेट्स) डोनेशन रेड क्रॉस के एसडीपी डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह की देखरेख में जमशेदपुर ब्लड सेन्टर में किया जा रहा है। जिस क्रम में बुधवार को टाटा स्टील कर्मी अरुण कुमार सिंह ने 29वीं बार एसडीपी डोनेशन किया। 7 प्लाज्मा डोनेशन एवं 19 नियमित रक्तदान के साथ उन्होने अब तक 55 रक्तदान किया है। इसी क्रम में टाटा स्टील कर्मी शाहनवाज आलम ने आज 15वां एसडीपी डोनेशन किया है। उन्होने 1 बार नियमित रक्तदान के साथ 16 रक्तदान पूरा किया। टाटा स्टील के ही राजेश ठाकुर में आज 20वीं बार एसडीपी दान किया एवं 13 नियमित रक्तदान के साथ उन्होने अपना 33 रक्तदान पूरा किया है।

अधिराज मित्रा बालक वर्ग में तथा नविका जयसवाल बालिका वर्ग के चैम्पियन बने

जमशेदपुर : अधिराज मित्रा बालक वर्ग में तथा नविका जयसवाल बालिका वर्ग के चैम्पियन बने जिला शतरंज चैम्पियनशिप के विजेताओं को ट्राफी तथा सर्टिफिकेट दिया गया। पुरस्कार देने के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल सी सी यू के एचओडी अशिफ अहमद, सीनियर मैनेजर संजय मिश्रा एवं जिला शतरंज संघ के सचिव नरेन्द्र कुमार तिवारी के द्वारा पारितोषिक वितरण किया गया। कार्यक्रम में जयंत कुमार भूइंया, चंदन कुमार प्रसाद तथा विशाल कुमार मिंज उपस्थित थे।

गौ तस्करी रोकने को बढ़ाएं सख्ती : विहिप

जमशेदपुर : बकरीद पर्व को लेकर विश्व हिंदू परिषद के गौ रक्षा विभाग ने सक्रियता बढ़ा दी है। गौ तस्करी और अवैध वध के बढ़ते मामलों को देखते हुए संगठन ने पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा।परिषद के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कुछ इलाकों में गोवंशीय पशुओं की अवैध तस्करी और हत्या की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि गौ तस्कर इन इलाकों में सक्रिय हैं। विश्व हिंदू परिषद ने प्रशासन से अपील की है कि बकरीद पर विशेष सतर्कता बरती जाए। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ नियमित निगरानी की जाए। संगठन का कहना है कि झारखंड सरकार ने गौ हत्या पर रोक के लिए कानून बनाया है, बावजूद इसकी खुलेआम अवहेलना हो रही है, जो चिंताजनक है। सदस्यों ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि पशु बाजारों, ट्रांसपोर्ट वाहनों और सीमावर्ती इलाकों पर विशेष नजर रखी जाए, ताकि गोवंश तस्करी को रोका जा सके। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई, तो इससे सामाजिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रशासन ने मांग पत्र प्राप्त कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है और कहा है कि कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोकप्रिय एवं कर्तव्यनिष्ठ पुलिस निरीक्षक के रूप में पहचाने जाते हैं प्रवीण कुमार

बिनय मिश्रा

2012 बेज के पुलिस निरीक्षक, प्रवीण कुमार एक ऐसा नाम है जिनकी उपलब्धि और कामयाबी, उनकी पहचान है कई संदिग्ध मामलों का उद्वेदन, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, बेहतर विधि व्यवस्था, आम लोगों के साथ प्रगाढ़ संबंध की बात चलती है तो पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार का नाम स्वतह जुबान पर चला आता है, वर्तमान समय में श्री कुमार धनबाद जिला के बैंक मोड़ थाना के थाना प्रभारी हैं, इससे पूर्व चक्रधरपुर के थाना प्रभारी से पुलिस निरीक्षक एवं सदर थाना चाईबासा के थाना प्रभारी भी रह चुके हैं, इसके अलावा गढ़वा जिला के रंका थाना में भी वे लोकप्रिय पुलिस निरीक्षक के रूप में पदस्थापित रहे,श्री कुमार जहां भी पदस्थापित रहे अपने बेहतर कार्य प्रणाली और आम लोगों के साथ सहज व्यवहार के फल स्वरुप काफी लोकप्रिय पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनाई, आज भी उन स्थलों पर उन्हें काफी सम्मान के साथ याद किया जाता है, और उन्हें बेहतर पुलिस निरीक्षक का थाना प्रभारी के संज्ञा मिली हुई है, ऐसे पुलिस निरीक्षक से निश्चित तौर पर विभाग और जिला को गर्व होता है, श्री कुमार झारखंड के फिंगर विशेषज्ञ के रूप में भी पहचाने जाते हैं।

तीन अपराधी देसी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला सदर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने अपने कार्यालय कक्ष में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया की गुमला पुलिस अधीक्षक महोदय को एक गुप्त सूचना मिली की गुमला जिला मुख्यालय स्थित दुंदरिया कचरा गड्ढा के समक्ष तीन अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए उद्देश्य से जमा हुए हैं, जिसपर त्वरित कार्रवाई करते हुयें, सदर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन करते हुए गुमला सदर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली , पुलिस और निरीक्षक अमर शुक्ला एवं सुनील कुमार सहित सशस्त्र बल पुलिस को उक्त गुप्त सूचना के सत्यापन एवं अवश्य कार्रवाई का निर्देश दिया , जिस पर कार्रवाई करते हुए छापामारी दल उक्त घटनास्थल पर पहुंची जिसे देख एक लड़का भागने लगा जिसे शस्त्र बल के जवानों ने खदेड़कर पकड़ा पूछताछ के क्रम में उसने बताया कि वह दुंदरिया निवासी 25 वर्षीय प्रदीप लकड़ा (पिता - स्वर्गीय मंगरा उरांव) ने बताया की घर के अंदर दो लड़के हैं जिनके पास हथियार है जिन्हें शस्त्र बल पुलिस के जवानों ने दबोचा जिसमें दुंदरिया निवासी 24 वर्षीय मनीष पन्ना (पिता - कृष्ण पन्ना) तथा कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के केरागानी निवासी 22 वर्षीय सत्यनारायण उरांव (पिता - स्वर्गीय विषय उरांव) को दबोचा गया और एक प्लास्टिक के झूले में एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

रिटायर रेलकर्मी अनुबंध पर हो पाएंगे बहाल, निकली वैकेंसी

धनबाद : रेलवे ने अनुभवी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद फिर से नौकरी का ऑफर दिया है। धनबाद रेल मंडल में 13 अलग-अलग पदों के लिए 313 रिटायर रेलकर्मियों को अनुबंध पर बहाल करने की अधिसूचना जारी की गई है। रीइंगेजमेंट स्कीम के तहत लेवल एक से लेवल नौ तक के संवर्ग में कर्मचारियों को 65 वर्ष तक की आयु के लिए अनुबंध पर रखा जाएगा। धनबाद डिवीजन की ओर से जारी वैकेंसी में सर्वाधिक 130 पद ऑपरेटिंग विभाग के प्वाइंट्स मैन, यानी चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के लिए रिक्त हैं। इसके अलावा मैकेनिकल कैरेज एंड वैगन विभाग में लेवल एक पर 84 असिस्टेंट तथा 52 गुड्स ट्रेन मैनेजर (गुड्स गार्ड) के पदों को रिटायर रेलकर्मियों से भरने का निर्णय लिया गया है। बेदाग छवि वालों को ही किया जाएगा पुनर्बहाल सीनियर डीपीओ अशोक कुमार की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि रीइंगेजमेंट का दावा प्रस्तुत करनेवाले कर्मचारियों के खिलाफ कोई विजिलेंस केस नहीं होना चाहिए और न ही सेवा के दौरान उन कोई विभागीय अनुशानात्मक कार्रवाई हुई हो। यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्थायी बहाली या फिर रेलवे बोर्ड के नए आदेश पर कभी भी अनुबंध पर नौकरी पाने वाले रिटायरकर्मियों को काम से हटाया जा सकता है। --- सुविधा केंद्र के साथ ऑनलाइन भी दे सकेंगे आवेदन रीइंगेजमेंट के लिए रिटायर रेलकर्मी धनबाद डीआरएम कार्यालय में स्थित सुविधा केंद्र या ऑनलाइन ईमेल के जरिए आवेदन दे सकते हैं।

45 गोवंशीय पशु बरामद, एक पशु तस्कर गिरफ्तार

गुमला : गुमला जिला पुलिस प्रशासन को एक गुप्त सूचना मिली की छत्तिसगढ जशपुर जिला के तरफ से जशपुर बॉर्डर क्षेत्र को पार कर झारखण्ड राज्य के गुमला जिला अंतर्गत स्थित सुरसांग थाना क्षेत्र से होता हुआ एक ट्रक में गौवंशीय पशुओं को लोड़कर लोहरदगा जिला लें जाया जा रहा हैं, उक्त सूचना मिलते ही गुमला पुलिस कप्तान ने त्वरित कार्रवाई करते हुयें उन्होंने एसडीपीओ ललित मिना के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया जिसमें सुरसांग थाना प्रभारी मुकेश प्रसाद टुडू , रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह , एस.आई. सुरेश प्रसाद , सुनील हेंब्रम एवं सुरसांग थाना के सशस्त्र पुलिस बल के जवान को उक्त गुप्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था, उक्त निर्देश का पालन करते हुयें, सुरसांग थाना क्षेत्र स्थित कोंडरा ग्राम के समक्ष नाकाबंदी कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया , इसी क्रम में रेकी कर रहे एक मारुति सुजुकी कार पुलिस को देखते ही उक्त कार चालक ने अपने कार को तेज रफ्तार से भागने लगा , तब पुलिस सशस्त्र बल के जवानों ने उक्त कार का पिछकर उक्त कार सहित एक गोवंशीय पशु तस्कर को दबोचने में सफल रहे, पुलिस द्वारा पुछताछ के क्रम में उसने बताया की मैं छत्तिसगढ जशपुर जिला अंतर्गत स्थित नारायणपुर थाना क्षेत्र के मटासी ग्राम का निवासी वीरेंद्र सुमन (पिता - स्व० - बलदेव राम) हूं , इसके कुछ देर बाद में एक ट्रक आता दिखाई दिया , जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया , तो उक्त ट्रक का चालक अपने ट्रक को तेज रफ्तार से भागते हुए , जंगल की तरफ ले जाकर एक निर्जन सुनसान स्थान पर उक्त ट्रक को खड़ा कर जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा , बाद में उक्त ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें गोवंशीय पशु लोड थें, जिसे जब्त कर सुरसांग थाना लाया गया जहां उक्त ट्रक की तलाशी ली गई तो कुल 45 गोवंशीय पशु बरामद हुए, जिसमें पांच गोवंशीय पशु मृत पायें गयें, उक्त सभी गोवंशीय पशुओं को पशु चिकित्सक से जांच कराई जाएगी और मृत गोवंशीय पशुओं को सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार कराया गया, उक्त कारवाई में जशपुर का गठन एक गोवंशीय पशु तस्कर को विधिवत गिरफ्तार किया।

उपायुक्त ने कार्यों में गति एवं गुणवत्ता लाने का दिया निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में एक विशेष समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य जिले में संचालित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा एवं क्रियान्वयन की गति में सुधार लाना था।

बैठक की शुरूआत में उपायुक्त गुमला ने सभी अधिकारियों से औपचारिक मुलाकात कर उनके कार्यक्षेत्र एवं दायित्वों की जानकारी ली। तत्पश्चात उन्होंने विकास शाखा के अंतर्गत संचालित मनरेगा, आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना सहित अन्य योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए राज्य स्तर पर रैंकिंग सुधारने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। पोटो हो खेल मैदान की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा मैदानों की संख्या में वृद्धि करने की बात कही। बिरसा हरित ग्राम योजना में डॉक्यूमेंटेशन प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

आवास योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उन्होंने स्वीकृत लाभुकों को समय पर किस्तों का भुगतान करने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

राजस्व शाखा की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने म्यूटेशन मामलों, दाखिल-खारिज, लंबित लैंड सर्टिफिकेट्स के निपटारे एवं राजस्व संग्रहण में सुधार लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि आम जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

आपदा प्रबंधन के अंतर्गत उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में नदेशक द्वारा विभिन्न लीगल इश्यू की जानकारी दी गई, जिस पर उपायुक्त ने गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक निर्देश दिए। पेंडिंग मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया।

योजना शाखा अंतर्गत अनटाइड, रउअ मद, एवं उरफ मद के तहत संचालित योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही आकांक्षी प्रखंड डुमरी के विकास की समीक्षा करते हुए वहां समुचित प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

कल्याण विभाग की समीक्षा में मुख्य रूप से छात्रवृत्ति योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने छात्रों के खातों का रैंडम वेरिफिकेशन करने का निर्देश दिया, ताकि भुगतान की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में सेविकाओं की कैपेसिटी बिल्डिंग एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। नए केंद्रों के निर्माण में भूमि विवादों का शीघ्र निपटारा कर कार्य प्रारंभ करने की बात कही गई। सक्रिय आंगनवाड़ी केंद्रों में मरम्मत कार्य के लिए आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र भेजने को कहा गया।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सामान्य शाखा, भू अर्जन, स्थापना, मत्स्य, आपूर्ति, कृषि सहित अन्य विभागों की भी विस्तार से समीक्षा की।

सड़क सुरक्षा को लेकर उन्होंने वाहनों की नियमित चेकिंग करने एवं नो एंट्री अवधि को सुबह 9 बजे से पहले समाप्त करने का निर्देश दिया।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के क्रम में उन्होंने अगले 6 माह की कार्य योजना प्रस्तुत करने तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु ठोस सुझाव देने को कहा।

अंत में उपायुक्त गुमला ने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने एवं जनहित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, परियोजना निदेशक क्ळउअ, अपर समाहर्ता, निदेशक सहित सभी विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।